Index

UNIT - 1

प्रश्न 1 - डी.टी.पी. क्या है? डी.टी.पी. के लाभ और उपयोग लिखिए|

प्रश्न 2 - वर्ड प्रोसेसिंग और डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर में अंतर लिखिए|

प्रश्न 3 – डी.टी.पी. में प्रयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के पैकेज को समझाइए|

प्रश्न 4 - ऑफसेट प्रिंटिंग क्या हैं ? इसकी कार्यप्रणाली को समझाइए|

प्रश्न 5 - लेजर प्रिंटर क्या हैं? इसकी कार्यप्रणाली और प्रकार समझाइए|

UNIT – 2

प्रश्न 6 - एडोब पेजमेकर 7.0 का परिचय और उसकी विशेषताए लिखिए|

प्रश्न 7 - पेजमेकर 7.0 के टूल बॉक्स को समझाइए|

प्रश्न 8 - पेजमेकर 7.0 में डॉक्यूमेंट इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट कैसे करें|

प्रश्न 9 - पेजमेकर में स्टोरी एडिटर क्या हैं?

प्रश्न 10 - पेजमेकर 7.0 में फाइंड और रिप्लेस विकल्प का प्रयोग कैसे करें|

UNIT -3

प्रश्न 11 – ओब्जेक्टिंग लिंकिंग एम्बडिंग क्या हैं?

प्रश्न 12 – पेजमेकर में मास्टर पेज को समझाइए|

प्रश्न 13 – न्यूज़ पेपर फ़ॉर्मेटिंग को समझाइए|

प्रश्न 14 - पेजमेकर में डॉक्यूमेंट को प्रिंट कैसे करते हैं तथा विभिन्न प्रिंट विकल्प को समझाइए|

प्रश्न 15 – पेजमेकर में कॉलम इन्सर्ट करने की प्रक्रिया को समझाइए|

ComputerHindiNotes.com

UNIT – 4

प्रश्न 16 - फोटोशॉप का परिचय तथा इसकी विशेषताए लिखिए|

प्रश्न 17 - ग्राफिक फाईल क्या है वेक्टर फाइल और रास्टर फाइल क्या हैं इनमे अंतर लिखिए|

प्रश्न 18 – फोटोशॉप में कलर मोड क्या हैं? यह कितने प्रकार के होते हैं|

प्रश्न 19 – फोटोशॉप में नयी इमेज बनाने की प्रक्रिया समझाइए|

प्रश्न 20 – फोटोशॉप में प्रयोग होने वाले विभिन्न फाइल एक्सटेंशन को समझाइए|

UNIT – 5

प्रश्न 21 - फोटोशॉप के वर्क एरिया को समझाइए|

प्रश्न 22 – फोटोशॉप में इमेज को Open, Save और Close कैसे करेगें|

प्रश्न 23 - लेयर क्या हैं? लेयर के साथ कौन कौन से काम किये जा सकते हैं|

प्रश्न 24 - फोटोशॉप के विभिन्न टूल्स को समझाइए|

प्रश्न 25 - फोटोशॉप के फ़िल्टर विकल्प को समझाइए|

ComputerHindiNotes.com

UNIT - 1

प्रश्न 1 - डी.टी.पी. क्या है? डी.टी.पी. के लाभ और उपयोग लिखिए|

उत्तर - डेस्कटॉप पब्लिशिंग का शाब्दिक अर्थ हैं अपनी मेज पर रखे उपकरणों द्वारा प्रकाशन का कार्य करना। इसके लिए हम कम्प्यूटर और उससे जुड़े उपकरणों का प्रयोग टेक्स्ट तैयार (Compose) करने हेतु करते हैं। यह इलेक्ट्रॉनिक डाक्यूमेंट्स और प्रेजेंटेशन को बनाने के लिए कंप्यूटर एप्लीकेशन, डिजिटल ग्राफ़िक्स और मल्टीमीडिया फॉर्मेट का उपयोग करता है |

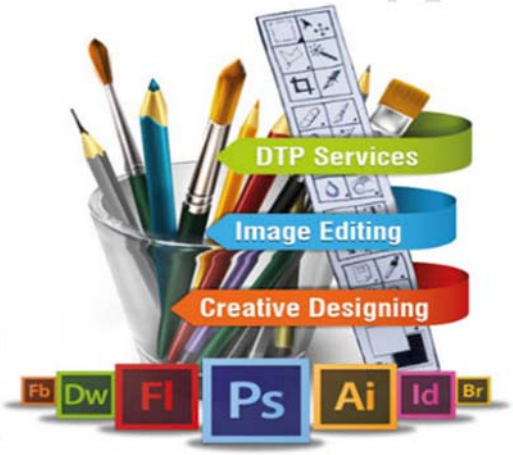

डेस्कटॉप पब्लिशिंग के द्वारा हम डिजिटल पेज बना सकते है,जो की कंप्यूटर/मोबाइल में देखने के लिए होते है ,साथ ही वर्चुअल पेज जो भौतिक प्रारूप (Physical format) यानि प्रिंट पेज पर ट्रान्सफर होते है | डेस्कटॉप कम्प्यूटर की सहायता से पूरी तरह छापने योग्य दस्तावेज तैयार करना ही डेस्कटॉप पब्लिशिंग कहा जाता है, इसके लिये कई प्रकार के प्रोग्राम उपलब्ध है, जिनके द्वारा आप टुकडो मे बंटी हुई सूचनाओ और सामाग्री को आपस मे जोडकर एक संपूर्ण दस्तावेज बना सकते है।

डी.टी.पी. के लाभ (Advantages of DTP)

कम्प्यूटर पर आधारित डेक्स टॉप पब्लिशिंग प्रणाली के निम्न लाभ हैं-

गति (Speed) :- पुरानी पद्धति की तुलना मे इस प्रणाली में काम बहुत अधिक तेजी से किया जा सकता हैं। इसमें ना सिर्फ नये काम बना सकते हैं, अपितु पहले बनाये गये काम को भी तेजी से सुधार सकते हैं। इसमे टेक्स्ट फॉर्मेटिंग, फोटो में बदलाव करना आदि काम बहुत तेजी से किये जा सकते हैं।

बदलाव (Changes) :- इस प्रणाली में बनाये गये डॉक्यूमेंट या फाइल में आसानी से सुधार एवं बदलाव कर सकते हैं। इसमें विभिन्न कामों को स्टोर कर सकते हैं, जिससे उसे किसी भी समय खोल कर उसमें बदलाव कर सके इस प्रणाली में आप मूल डिजाइन को वैसे ही रखते हुए नये बदलाव भी कर सकते हैं। सभी डेक्स टॉप पब्लिकेशन पैकेज मे आपके द्वारा किये गये बदलाव स्क्रीन पर दिखते हैं। आधुनिक इंटरनेट के युग में आप दूरस्थ (remote location) कम्प्यूटर की डिजाइन में भी बदलाव कर सकते हैं।

ComputerHindi

पेज सजावट (Page Formatting) :- डेक्स टॉप पब्लिकेशन के बहुत से सॉफ्टवेयर में विभिन्न पेज लेआउट दिये है, तथा बहुत से पेज फ़ॉर्मेटिंग के टूल हैं। कम्प्यूटर मे विभिन्न प्रकार के टेक्स्ट के प्रकार, जिन्हें हम font कहते हैं, उपलब्ध रहते हैं। इसमें विभिन्न प्रकार की बार्डर, क्लिप आर्ट पिक्चर, सिम्बल आदि उपलब्ध हैं, उनकी सहायता से बहूत अच्छे तरीके से पेज की फॉरमेटिंग कर सकते हैं।

कम लागत (Low cost) :- पुराने समय में किसी किताब की कंपोजिंग करने के लिये बहुत अधिक समय लगता था, तथा उसमें बहुत से कुशल व्यक्तियों की आवश्यकता होती थी। यदि किसी काम में चित्र या पिक्चर डालना हो तब कुशल कलाकार की आवश्यकता होती थी। परन्तु आज किसी भी काम को डीटीपी पैकेज की सहायता से बड़ी किताब की भी कंपोजिंग बहुत जल्दी एवं अच्छी तरीके से की जा सकता हैं। डीटीपी पैकेज के कारण कंपोजिंग की लागत बहुत कम हो गई हैं।

विभिन्न टूल (Various tool):- लगभग सभी डीटीपी पैकेजों में spell check, index, find and replace आदि टूल होते हैं इन टूल की सहायता से कार्य त्रुटि रहित एवं आसान हो गया हैं। यदि किसी व्यक्ति को किसी भाषा की बहुत अधिक जानकारी नही है, तब वह कंपोजिंग का कार्य कर सकता हैं। वर्तमान में कुछ सॉफ्टवेयर में अनुवाद (translation) की भी सुविधा दी गई हैं।

फान्ट कर्निंग (Font Kerning) :- अंग्रेजी भाषा में जब कोई टेक्स्ट टाइप करते हैं, तब उनके कैरेक्टर के बीच की दूरी अलग अलग रहती हैं। यह दूरी उन दो कैरेक्टर के shape पर निर्भर होती हैं। उदाहरण के लिए “TODAY” इस शब्द में “A” और “Y” के बीच अधिक दूरी हैं। इस प्रकार कैरेक्टर की दूरी अलग अलग होती हैं। फान्ट कर्निंग सुविधा से हम कैरेक्टर की दूरी सेट कर सकते हैं। इससे टेक्स्ट डाटा अच्छा एवं पढ़ने में सरल हो जाता हैं।

डेक्स टॉप पब्लिकेशन के उपयोग (Uses of DTP)

वर्तमान प्रिन्टिंग तकनीक हमारे जीवन से बहूत गहराई से जुडी हुई हैं। हम रोज विभिन्न प्रिन्ट सामग्री का उपयोग करते हैं। समाचार पत्र, पत्र, बिल आदि विभिन्न प्रिन्ट माध्यम से हम जुडे होते हैं। इन सभी प्रिन्ट की हुई वस्तुओं की डिजाइन बनाने का काम डीटीपी सॉफ्टवेयर में होता हैं। डीटीपी सॉफ्टवेयर की सहायता से सभी प्रकार के दस्तावेज की डिजाइन बनाई जा सकती हैं। प्रत्येक प्रकार के दस्तावेज का ले आउट अलग अलग होता हैं। जैसे किताब का पेज का आकार अलग होता हैं, ब्राउशर के पेज का आकार अलग होता हैं। साधारणत: निम्न दस्तावेज की डिजाइन बनाई जाती हैं।

ComputerHindiNotes.com

किताबे	बिजनेस कार्ड	बिल बुक	विज्ञापन
मासिक पत्रिका	लेटर हेड	कंपनी की सालाना रिर्पोट	लिफाफे
समाचार पत्र	पोस्टकार्ट	आवेदन पत्र	कैलेंडर
निंमत्रण पत्रिका	पोस्टकार्ट	कार्यलयीन नोटीस	पोस्टर

प्रश्न 2 - वर्ड प्रोसेसिंग और डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर में अंतर लिखिए|

उत्तर – वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर

1. इसमें टेक्स्ट creation, editing, printing शामिल है।
2. वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग सरल Memo, Letter, manuscripts और resume बनाने के लिए किया जाता है।
3. किसी भी वर्ड प्रोसेसर सॉफ्टवेयर में सीधे सीधे टेक्स्ट जोड़ सकते हैं ।
4. वर्ड प्रोसेसिंग के अंतर्गत माइक्रोसॉफ्ट वर्ड और ओपन ऑफिस जैसे सॉफ्टवेयर आते हैं।
5. डेस्कटॉप पब्लिशिंग की तुलना में वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग करना आसान होता है।

वर्ड प्रोसेसर एक ऐसा प्रोग्राम होता है जिसका उपयोग किसी भी प्रकार की प्रिंटिंग योग्य सामग्री तैयार करने में किया जाता है |ऐसे प्रोग्राम में मुख्यतः टेक्स्ट को Enter करने, Edit करने,Format करने और Print करने की समस्त सुविधाए होती है |पहले यह कार्य टाइपराइटरो द्वारा हाथ से किये जाते थे ,परन्तु उनमे बहुत अधिक समय लगता था , लेकिन वर्ड प्रोसेसर द्वारा यह कार्य अत्यंत सरल एवं आनंददायक हो गया है |

वर्ड प्रोसेसर स्वतंत्र प्रोग्राम के रुप में भी हो सकता और किसी बड़े पैकेज का एक भाग भी हो सकता है |वर्ड प्रोसेसरो में डॉक्यूमेंट की डिजाईन बनाने,image बनाने अथवा डालने की सुविधाए भी होती है |कई अच्छे वर्ड प्रोसेसरो में स्पेलिंग और ग्रामर की गलतियों को खोजने और ठीक करने की भी क्षमता होती है |

डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर

1. डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर के जरिये हम उन दस्तावेजों का उत्पादन कर पाते हैं जिनमे टेक्स्ट और ग्राफ़िक्स का एक साथ प्रयोग किया जाता है।

ComputerHindiNotes.com

2. डेस्कटॉप पब्लिशिंग का उपयोग समाचार पत्र, पत्रिकाओं, विज्ञापनों और ब्रोशर जैसी चीजों पर काम करने के लिए किया जाता है जहां लेआउट महत्वपूर्ण होता है।
3. डेस्कटॉप पब्लिशिंग में टेक्स्ट को जोड़ने के लिए पहले टेक्स्ट फ्रेम को जोड़ना होता है।
4. डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर जैसे कि क्वार्कएक्सप्रेस 6.5 और 7.0 और साथ ही एडोब इनडिजाइन सीएस और सीएस 2 का उपयोग किया जाता है।
5. वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर की तुलना में इसका उपयोग करना मुश्किल होता है।

डेस्कटॉप पब्लिशिंग का शाब्दिक अर्थ छापी जाने वाली सामाग्री को अपनी मेज पर ही तैयार करना होता है अर्थात अपनी मेज पर रखे उपकरणो द्वारा ही प्रकाशन का कार्य करना, इसका व्यवहारिक अर्थ है – कम्प्यूटर और उससे जुडे उपकरणो द्वारा प्रकाशन का कार्य करना, दूसरे शब्दो मे इस प्रणाली मे टेक्स्ट कम्पोज करने, चित्र आदि बनाने से लेकर उन्हे विभिन्न पेजों पर स्थान देने अर्थात सेट करने तक का सारा कार्य अपनी मेज पर रखे कम्प्यूटर मे ही किया जाता है और अंत मे ऐसी मास्टर कॉपी लेजर प्रिंटर पर छापकर तैयार कर ली जाती है, जिसे आप किसी छपाई की विधि जैसे ऑफसेट विधि से सीधे कागज पर उतार सकते है और इच्छानुसार कितनी भी प्रतिया छाप सकते है|

संक्षेप मे, अपने डेस्कटॉप कम्प्यूटर की सहायता से पूरी तरह छापने योग्य दस्तावेज तैयार करना ही डेस्कटॉप पब्लिशिंग कहा जाता है, इसके लिये कई प्रकार के प्रोग्राम उपलब्ध है, जिनके द्वारा आप टुकडो मे बंटी हुई सूचनाओ और सामाग्री को आपस मे जोड़कर एक संपूर्ण दस्तावेज बना सकते है।

प्रश्न 3 – डी.टी.पी. में प्रयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के पैकेज को समझाइए|

उत्तर - डी.टी.पी पैकेज मूलत: चार प्रकार के होते हैं।

1. वर्ड प्रोसेसिंग पैकेज (Word Processing Package)

वर्ड प्रोसेसिंग एक वर्ड एडिटिंग सॉफ्टवेयर हैं क्योकि इस पैकेज का प्रयोग टेक्स्ट पर सुविधापूर्वक कार्य करने के लिए किया जाता हैं इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से हम image पर ज्यादा अच्छे से कार्य नही कर सकते हैं वर्ड प्रोसेसिंग पैकेज के अंतर्गत वे सॉफ्टवेयर आते हैं जिनका प्रयोग डॉक्यूमेंट में text Formatting, page setup, border, printing आदि करने के लिए किया जाता हैं साधारण: Book, magazine, office letter, application आदि के लिए इसका उपयोग किया जाता हैं। MS-word आदि इस प्रकार के पैकेज के उदाहरण हैं।

ComputerHindiNotes.com

2. पेज लेआऊट के पैकेज (Page Layout Package)

इस पैकेज का प्रयोग विभिन्न प्रकार की पेज एडिटिंग करने के लिए किया जाता हैं यह Application (अनुप्रयोग) सामान्यत: पेज ले आऊट बनाने के लिये इस्तेमाल होता हैं। जैसे की किताब की डिजाइन (book design), पत्रिकायें (magazine), परिचय पत्र (identity letter) आदि । इसमें रंग संयोजन की भी सुविधाये होती हैं। इस प्रकार के पैकेज में वर्ड प्रोसेसर की अपेक्षा टेक्स्ट पर अधिक नियंत्रण रख सकते हैं। इन पैकेजो मे अन्य अप्लिकेशन की फाइल का आसानी से प्रयोग कर सकते हैं। इस प्रकार के पैकेज में साधारणत: टेक्स्ट एक block के रूप में होता हैं। जिसे आसानी से इच्छित जगह रखा जा सकता हैं। पेज लेआउट को भी सेट किया जा सकता हैं, जैसे बडे आकार के समाचार पत्र आदि। इस प्रकार के पैकेज के उदाहरण पेजमेकर, एम एस पब्लीशर आदि हैं।

3. ग्राफिक डिजाइन के पैकेज (Graphic Design Package)

इस पैकेज का प्रयोग अलग अलग प्रकार के ग्राफ़िक बनाने के लिए किया जाता हैं इन पैकेजो के द्वारा जटिल तथा कलात्मक डिजाइन बना सकते हैं। इस पैकेज में व्हेक्टर ग्राफिक्स (Vector Graphic) बनाने, बहुरंग पोस्टर बनाने, ब्राउशर डिजाइन के इन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता हैं। साधारणत: इन एप्लीकेशन में बनाई हुए फाइलों का आकार बडा होता हैं। इस प्रकार के पैकेज के उदाहरण कोरलड्रा, अँडोब इलास्टेटर, फोटोशॉप आदि हैं।

4. फोटो एडीटिंग पैकेज (Photo Editing Package)

इस पैकेज का प्रयोग फोटो में एडिटिंग करने के लिए किया जाता हैं यह पैकेज सामान्यत: फोटो में बदलाव तथा फोटो में विभिन्न इफ़ेक्ट देने के लिये प्रयोग होता हैं। सामान्यत: इन पैकेजो में काम करने के लिये ज्यादा मेमोरी की जरूरत होती हैं। इस प्रकार के पैकेज के उदाहरण अँडोब फोटोशॉप, कोरल ड्रा, फोटो पेंट आदि है।

प्रश्न 4 - ऑफसेट प्रिंटिंग क्या हैं ? इसकी कार्यप्रणाली को समझाइए|

उत्तर - ऑफसेट प्रिंटिंग एक ऐसी प्रिंटिंग हैं जो साधारणत: छोटे एंव मध्यम कार्यों में प्रयोग की जाती हैं, जैसे Newspaper, Books, Magazine, bill book, form इत्यादि। इस प्रिंटिंग की गति तेज होती हैं इससे एक साथ 1000 से 10,000 प्रतियां छापी जाती हैं। यह तेज एवं सस्ती प्रिन्टिंग प्रणाली हैं। लेकिन इसकी प्रिन्टींग प्रॉपर्टीवत्ता बहुत अच्छी नही होती हैं, तथा कलात्मक काम इसमें प्रिन्ट नही किये जा सकते हैं। लेकिन सामान्य प्रिन्टिंग कामों के लिए यह पद्धति बहुत प्रयोग होती हैं।

ComputerHindiNotes.com

इस प्रकार की प्रिन्टिंग तकनीक में इमेज प्रिन्टिंग प्लेट से रबर की शीट पर स्थनांतरित की जाती हैं, उस रबर शीट से कागज पर इमेज स्थनांतरित की जाती हैं। इस प्रकार की तकनीक में Oil और Water का प्रयोग करते हुए श्याही से कागज पर इमेज प्रिन्ट की जाती हैं। इसमें रबर की शीट में जो हिस्सा प्रिन्ट नही होना हैं, उसमें पानी का बेस बनता हैं, तथा जिन हिस्से को प्रिन्ट होना हैं उसमें स्याही (जिसमें आईल होता) का बेस बनता हैं। इस प्रकार की प्रिन्टिंग 1900 शताब्दी के शुरुवात से चालू हुई थी।

बाकी मुद्रण पद्धतियों से यह प्रभावी, सस्ती, एव तेज तकनीक हैं। इसमें बडे आकार की प्रिन्टींग कम समय में की जा सकती हैं। इस प्रकार की पद्धति में प्रयोग होने वाली मशीनों का रखरखाव भी लगता हैं। बाकी प्रिन्टिंग मशीनों से ऑफसेट मशीनों पर कार्य करना आसान हैं। इसका प्रयोग अधिकतर कागज पर प्रिन्टिंग के लिए होता हैं।

इस प्रकार के प्रिन्टिंग को लिथोग्राफी भी कहा जाता हैं। इस प्रकार के प्रिन्टर में एक प्लेट प्रयोग की जाती हैं। यह प्लेट PVC या एल्युमीनियम की होती हैं। इसके अतिरिक्त अनके प्रकार की प्लेट होती हैं, लेकिन साधारणत: एल्युमीनियम की प्लेट प्रयोग की जाती हैं। यह वजन में हल्की एवं मजबूत होती हैं। एल्युमीनियम की प्लेट पर पानी एवं ऑइल का कोई असर नही होता हैं। इस प्लेट पर प्रक्रिया कर उस पर जो डाटा प्रिन्ट करना हैं, वह उतारा जाता हैं।

Process of Offset Printing (ऑफसेट प्रिन्टिंग की प्रक्रिया)

ऑफसेट मशीन में मुख्यत: तीन सिलेंडर होते हैं, पहले सिलेंडर पर मास्टर या प्लेट लगाई जाती है, दूसरे सिलेंडर पर रबर की परत होती हैं, जिससे इमेज प्रिन्ट की जाती हैं, तीसरे सिलेंडर पर कागज लगता हैं। इसके अतिरिक्त स्याही को अच्छे से मिलाने के लिए विभिन्न रबर के रोल होते हैं। ऑफसेट प्रिन्टिग में प्रिन्ट करने की निम्न विधि हैं।

- सबसे पहले जो डाटा प्रिन्ट करना हैं, उसे कम्प्यूटर द्वारा प्लास्टिक प्लेट पर या बड़ी एक्सपोजिंग मशीन द्वारा एल्युमीनियम की प्लेट पर उतारा जाता हैं।
- मशीन के पहले सिलेंडर को मास्टर सिलेंडर भी कहा जाता हैं|
- जिस रंग में छपाई करना हैं, उस रंग की स्याही इंक रोल में डाली जाती हैं। स्याही को मशीन में जिस जगह रखा जाता हैं, उस जगह को Ink Dust कहा जाता हैं।
- Ink Dust यह एक रोलर से जुड़ा होता हैं, वह रोलर Ink Dust से आवश्यकतानुसार स्याही लेता रहता हैं।

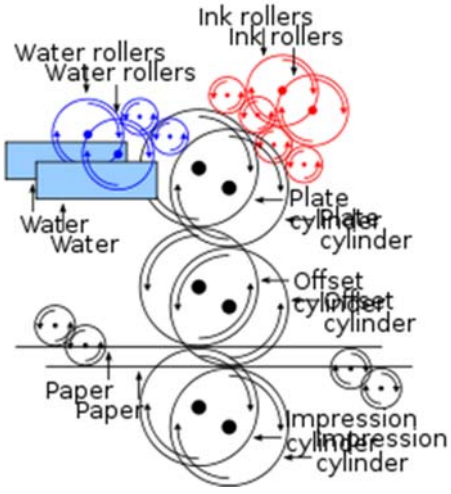

ComputerHindiNotes.com

- इंक रोलर अन्य दो दो रोलर से जुड़ा होता हैं, उनमे एक रोलर दांए-बाएं भी घुमता रहता हैं, जिससे स्याही अच्छे से मिक्स हो जाती हैं। दूसरा इंक रोलर प्लेट के सिलेंडर से घसते हुए घुमता हैं।
- बेस रोल में पानी डाला जाता हैं। इस प्रकार की प्रिन्टिग मे पानी की बहुत अहम भूमिका होती हैं। इस प्रकार की प्रिन्टिंग में जिस हिस्से में प्रिन्टिंग होना हैं, वहॉ पर स्याही आती हैं, तथा जिस हिस्से में प्रिन्ट नही होना हैं, उस पर पानी की परत आती हैं। इस तरह से सिर्फ प्लेट पर छपा मैटर ही प्रिन्ट होती हैं। इससे स्याही प्लेट पर लगती हैं। प्लेट के दूसरे हिस्से में पानी का रोल भी जुड़ा होता हैं। स्याही और पानी दोनो प्लेट पर एक साथ लगती जाती हैं।
- अब मशीन को चालू कर दिया जाता हैं। कुछ देर बाद स्याही या प्लेट सिलेंडर पर आती हैं।
- प्लेट सिंलेडर यह रबर के सिलेंडर (जिसे ब्लांन्केट कहा जाता हैं।) से घसते हुए घुमता हैं। इससे प्लेट पर लगी हुई स्याही रबर के सिलेंडर पर आती हैं।
- रबर के सिलेंडर से और एक सिलेंडर लगा होता हैं। उन दोनों के बीच में से पेपर जाता हैं। जो इमेज रबर के सिलेंडर पर आती वह पेपर पर प्रिन्ट होती हैं।
- प्लेट के जिस हिस्से में इमेज या टेक्स्ट हैं, उस पर स्याही की परत लग जाती हैं। बाकी हिस्से में पानी की परत आ जाती हैं।
- प्लेट पर जिस हिस्से में स्याही लगी हैं, उसकी मिरर इमेज दूसरे सिलेंडर पर आती हैं। इस सिलेंडर पर रबर की परत चढ़ी होती हैं।
- अंत में रबर की परत वाले सिलेंडर से पेपर पर इमेज प्रिन्ट होती हैं।

इस प्रकार प्रिन्टिंग सिर्फ एक समान के पेपर पर ही की जा सकती हैं। यदि बहुरंगी प्रिन्टिंग करना हैं, तब उसे एक से अधिक बार प्रिन्ट किया जाता हैं। नीले, लाल, पीले एवं काले रंग से लगभग सभी रंग प्रिन्ट किये जाते हैं। कुछ बड़ी मशीनों में यह चारों रंग एक साथ प्रिन्ट होते हैं।

Advantages of Offset printing (ऑफसेट प्रिन्टिंग प्रणाली के लाभ)

- इसमें डाटा साफ एवं स्पष्ट प्रिंट होता हैं। इसमें टेक्स्ट के साथ ग्राफिक की भी प्रिन्टिग की जा सकती हैं।
- इसकी गति बहुत अधिक होती हैं। यह सामान्यत: 1000 पेज प्रति घंटे से 10,000 पेज प्रति घंटे तक प्रिंट कर सकता हैं |
- किसी पेज का मास्टर बनने के बाद, बहुत कम समय में मशीन पर प्रिन्टिंग चालू कर सकते हैं।

ComputerHindiNotes.com

- इसमे प्लेट बनाने के बाद उस प्लेट से एक बार से कितनी भी प्रिन्टिंग की जा सकती है।
- इस प्रकार की मशीनों मे स्याही की खपत एवं अपव्यव बहुत कम होता हैं, इसलिए यह एक सस्ती प्रणाली हैं।
- इस प्रणाली से की गई प्रिन्टिंग करने के बाद कोई और प्रक्रिया नही करनी पड़ती हैं।
- बड़े आकार की प्रिन्टिंग भी की जा सकती हैं।
- इस प्रकार की प्रिन्टिंग में बहुत अधिक कुशल व्यक्तियों की आवश्यकता नही होती हैं।
- अधिक मात्रा की प्रिन्टिंग के लिए यह सबसे सस्ती प्रणाली हैं।
- बहुरंगी प्रिन्टिंग की जा सकती हैं।
- प्रिन्टिंग के समय बहुत शोर नही होता हैं, जैसे की Letterpress Printing में होता हैं।

Disadvantages of Offset printing (ऑफसेट प्रिन्टिंग प्रणाली की कमीयाँ)

- ऑफसेट मशीन की लागत अधिक होती हैं|
- इसमें इलेक्ट्रिक पावर की आवश्यकता अधिक होती हैं।
- इस प्रिंटिंग के लिए अर्धकुशल कर्मचारियों की आवश्यकता होती हैं।
- एक बार बनाई प्लेट को बार बार प्रयोग नही किया जा सकता हैं।
- कम मात्रा की प्रिन्टिंग के लिए महंगी प्रणाली हैं।
- फोटो क्वालिटी प्रिन्टिंग अच्छी नही होती हैं।

वर्तमान में इस प्रकार की प्रिन्टिंग लगभग सभी छपाई के काम के लिए प्रयोग हो रही हैं। किताब, समाचार पत्र, बहुरंग पोस्टर आदि का उत्पादन इस प्रकार की प्रिन्टिंग प्रणाली से किया जाता हैं।

ComputerHindiNotes.com

प्रश्न 5 - लेजर प्रिंटर क्या हैं? इसकी कार्यप्रणाली और प्रकार समझाइए|

उत्तर - लेजर प्रिंटर यह कम्प्यूटर से जुड़ा हुआ प्रिंटर होता हैं। यह वर्तमान में बहुत अधिक प्रयोग हो रहा हैं। इस प्रिंटर में कागज के साथ ही, फिल्म transparent paper, butter paper एवं PVC place आदि पर भी प्रिंट निकाला जा सकता हैं। इसकी तकनीक कॉपियर (झेराक्स) तकनीक के समान होती हैं। इसमें किसी प्रकर के रिबन का प्रयोग नही किया जाता इसमें लेजर किरण एवं प्रकाश के स्त्रोतों से इमेज को उत्पन्न किया जाता हैं। लेजर के किरणों को कम्प्यूटर द्वारा नियंत्रित किया जाता हैं। कोई इमेज Raster Scan तकनीक से प्रिंट की जाती हैं। लेजर प्रिंटर में, किसी इमेज को प्रिंट करने की प्रक्रिया सात पदों में पूर्ण होती हैं।

1. Resting Image Processing

पेज की एक लाइन में जो डाटा प्रिंट होता हैं, वह प्रिंटर के टोनर से काले डॉट में प्रिंट होता हैं। पेज की एक आड़ी लाइन के डॉट को Raster line या Scan Line कहा जाता हैं। इन Raster Line को Raster Image Processor प्रिंट करता हैं। यह प्रोसेसर विभिन्न कम्प्यूटर भाषाओं में बनाया जाता हैं, जैसे adobe script, HP printer command language, XML page specification आदि। कलर प्रिंटर में प्रत्येक कलर (CYMK) की अलग परत आती हैं।

2. Charging

प्रिंटर में एक ड्रम लगा होता हैं। वह electrostatic चार्च होता हैं। जैसे जैसे पेज आगे जाता हैं, यह ड्रम घुमते जाते हैं। जैसे ड्रम घूमता हैं, वैसे लेजर बीम उससे टकराता हैं, लेजर बीम यह प्रकाश के Photons होते हैं। ड्रम में का जो हिस्सा लेजर बीम से टकराता हैं, उसे चार्च ड्रम के चार्च से विपरीत हो जाता हैं। लेजर बीम उस ड्रम पर वांछित डाटा की प्रतिकृती बनाया हैं। पाजीटिव चार्च का जो हिस्सा लेजर बीम से टकराता हैं वह हिस्सा निगोटिव चार्च हो जाता हैं।

3. Fusion

उसके बाद पेपर पर टोनर पाउडर छिड़क दिया जाता हैं। यह पाउड़र पाजीटिव चार्च होता हैं। जैसे ड्रम घुमता हैं, टोनर पाउड़र उस हिस्से में चिपकता हैं, जहाँ पर लेजर बीम ने प्रतिकृती बनाई हैं। ड्रम पूरा घुमने बाद, पेपर एक बेल्ट से निकलता हैं। यह बेल्ट ड्रम से लगा होता हैं। पेपर को नेगोटिव चार्च किया जाता हैं। पेपर को नेगोटिव चार्च यह

ComputerHindiNotes

लेजर बीम से ड्रम पर लगाये नेगेटिव चार्च से भारी होता हैं। पेपर जैसे-जैसे बाहर जाता हैं, वैसे discharge होता जाता हैं। फिर पेपर fuse से गुजरता हैं। fuse से पेपर जाते समय उष्मा के कारण पाउड़र पिघलाते हैं। जिस हिस्से में टोनर चार्च होता, वह पेपर से चिपक जाता हैं। यह Fusion की प्रक्रिया ताप या दाब से होती हैं। इसीलिए जब कोई पेपर लेजर प्रिंटर से प्रिंट होकर निकलता हैं तब वह थोड़ा गरम रहता हैं।

4. Printing

इसकी छपाई की प्रॉपर्टीवत्ता बहुत उच्च दर्जे की होती हैं, तथा प्रिन्ट होते समय कोई आवाज या शोर नही होता हैं। सामान्यत: 600 से 1200 vpi (एक चौरस इंच से 600 से 1200 डॉट) तथा 6 से 12 पेज एक मिनिट में प्रिंट होते हैं। इन प्रिंटर की मूल कीमत तथा प्रति पेज छपाई की कीमत ज्यादा होने के कारण साधारण कार्यालयीन कामो में ज्यादा उपयोग नही होता हैं। इस प्रिंटर का प्रयोग डेस्कटॉप पब्लिकेशन के कामों से ज्यादा होता हैं। वर्तमान में रंगीन लेजर प्रिंटर भी उपलब्ध के कामों से ज्यादा होता हैं। वर्तमान में रंगीन लेजर प्रिंटर भी उपलब्ध हैं, जिसमें विशेष टोनर होता हैं, जिसमें अलग अलग रंगों के कण रहते हैं।

Types of Laser Printer (लेजर प्रिंटर के प्रकार)

यद्यपी सभी लेजर प्रिंटर की प्रिंट करने के तकनीक एक समान होती हैं, लेकिन उनके आकार, प्रिन्ट करने की गति के अनुसार उन्हें वर्गीकृत किया गया हैं।

1. Personal:-

इस प्रकार के लेजर प्रिंटर आकार में छोटे होते हैं। इन्हे आप एक टेबल पर कम्प्यूटर के साथ जोड़ कर रख सकते हैं। इस साधारणत: एक ही कम्प्यूटर से जोड़ा जा सकता हैं। सभी पर्सनल लेजर प्रिंटर यह Simplex प्रकार के होते हैं, अर्थात् एक समय में कागज के एक ही तरफ प्रिटिंग की जा सकती हैं । इन प्रिंटर की प्रिंट करने की गति कम होती हैं, यह साधारणत: 4 पेज प्रति मिनट की दर से प्रिंट कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रिंटर की मेमोरी भी कम होती है, बहुत जटिल या अधिक ग्राफिक्स का डाटा प्रिंट करने मुश्किल हो सकती हैं।

2. Office:-

इस प्रकार के लेजर प्रिंटर यह Personal laser printer से बड़े होते हैं, लेकिन इन्हें भी आप टेबल पर रख सकते हैं। इसमें एक से अधिक कम्प्यूटर के साथ LAN (local area network) से साझा किया जा सकता हैं। इस प्रकार के प्रिंटर की प्रिंट करने की गति 8 से 10 पेज प्रति मिनट तक होती हैं। इन प्रिंटर में आप एक साथ बहुत से प्रिंट निकाल सकते हैं। इस प्रकार के प्रिंटर में एक sheet feeder होता हैं, उसमें 250 पन्ने रख सकते हैं, प्रिंटर उसमें

ComputerHindiNotes.com

स्वय ही एक पेज लेते जाता हैं। इस प्रकार के प्रिंटर में कम्प्यूटर से जोड़ने के लिए Parallel और serial दो प्रकार के पोर्ट होते हैं, जिससे और अधिक कम्प्यूटर से उस प्रिंटर का साझा किया जा सकता हैं। इन प्रिंटर में मेमोरी Personal प्रिंटर से अधिक होती हैं, तथा कुछ प्रिंटर में मेमोरी बढ़ाने की संभावना होती हैं। इस प्रकार के प्रिंटर भी Simplex प्रकार के होते हैं। इस प्रकार के प्रिंटर का उपयोग छोटे ऑफिस, डीटीपी ऑपरेटर इत्यादि जगह होता हैं।

3. Work group:-

इस प्रिंटर का उपयोग बहुत से कम्प्यूटर से जोड़ कर किया जाता हैं। इस प्रकार के प्रिंटर आकार में बडे होते हैं, इन्हें जमीन पर रखा जाता हैं, लेकिन वर्तमान में कुछ छोटे आकार के Workgroup लेजर प्रिंटर भी उपलब्ध हैं, जिन्हे टेबल पर रखा जा सकता हैं। इस की गति 15 से 30 पेज प्रति मिनट की होती हैं। इसमें पेपर रखने की बड़ी ट्रे होती हैं, जिसमें 1500 से 2500 पेज रखे जा सकते हैं। इन प्रिंट में भी expansion slot होता हैं। इन प्रिंटर की मेमोरी office प्रिंटर से अधिक होती हैं। इस प्रकार के प्रिंटर duplex प्रकार के होते हैं, जिससे एक साथ दोनों तरफ प्रिंट किया जा सकता हैं।

4. Production:-

इस प्रकार के प्रिंटर की गति सबसे ज्यादा होती हैं। यह एक बडे आकार का प्रिंटर हैं, जिसे टेबल पर नही रखा जा सकता हैं। कुछ स्थितियों में इस प्रिंटर को अलग वातानुकुलित कमरे में भी रखा जाता हैं। इस प्रकार के प्रिंटर का उपयोग जहाँ लगातार प्रिंटिंग की आवश्यकता होती हैं, वहॉ किया जाता हैं। इस प्रकार के प्रिंटर हैं। इन प्रिंटर की गति 50 से 135 पेज प्रति मिनट तक हो सकती हैं। इस प्रकार के प्रिंटर में 70,000 पेज एक दिन में प्रिंट किये जा सकते हैं। इन प्रिंटर में मेमोरी भी बहुत अधिक होती हैं।

5. Color:-

वर्तमान में कलर लेजर प्रिंटर भी उपलब्ध हैं, इनमें बहरंगी प्रिंटिंग की जा सकती हैं। इस प्रिंटर में चार हिस्से होते हैं, जो नीला (Cyan), लाल (Magenta), पीला (Yellow), एवं काला (Black) रंग प्रिंट होता हैं, इन चारों हिस्से से प्रिंट हो बहुरंगी प्रिन्ट निकलता हैं। इन प्रिंटर की गति 2 से 8 पेज प्रति मिनट तक होती हैं।

Advantages of Laser Printer (लेजर प्रिंटर के लाभ)

- इसकी प्रिंटिंग की प्रॉपर्टीवत्ता अच्छी होती हैं।
- प्रिंटिंग की गति बाकी प्रिंटर से अधिक होती हैं।

ComputerHindiNotes.com

- कागज के अतिरिक्त दूसरे मीडिया जैसे butter paper, pvc plate आदि पर भी प्रिंट किया जा सकता हैं।
- ग्राफिक्स डाटा अधिक सूक्ष्मता से प्रिंट होता हैं।
- प्रिंट करते समय आवाज नही करता हैं।
- छोटे कार्यलयीत कार्य से लेकर बड़े नेटवर्क प्रिंटर में भी इसका उपयोग किया जा सकता हैं।

Disadvantages of Laser Printer (लेजर प्रिंटर की कमीयाँ)

- लेजर प्रिंटर बाकी सभी कम्प्यूटर प्रिंटर से महंगा होता हैं।
- कलर लेजर प्रिंटर अधिक महंगा होता हैं।
- लेजर प्रिंटर इंकजेट प्रिंटर से बड़ा एवं भारी होता हैं।
- Dot Matrix Printer के समान इसमें डुप्लीकेट प्रिंटिंग नही कर की जा सकती।
- लेजर प्रिंटर से प्रिंट करने के लिए अधिक इलेक्ट्रिक पावर की आवश्यकता होती हैं।

ComputerHindiNotes.com

UNIT - 2

प्रश्न 6 - एडोब पेजमेकर 7.0 का परिचय और उसकी विशेषताए लिखिए|

उत्तर - Adobe PageMaker सबसे पहले 1985 में Apple Macintosh पर Aldus द्वारा पेश किया गया डेस्कटॉप कंप्यूटर प्रोग्राम है। बाद में इसे एडोब कॉरपोरेश ने ग्रहण किया इसके बाद इसके कई वर्जन बाजार में जारी किये गए|Adobe PageMaker एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है जिसका उपयोग ब्रोशर, फ़्लायर्स, न्यूज़लेटर्स, रिपोर्ट और कई अन्य व्यावसायिक-प्रॉपर्टीवत्ता के डॉक्यूमेंट बनाने के लिए किया जाता है जो व्यवसाय या शैक्षिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाते हैं। प्रोग्राम उपयोगकर्ताओं को दस्तावेज़ों को फॉर्मेट करना, उनके लेआउट को समायोजित करना और विभिन्न डिज़ाइन विवरणों को बदलना आसान बनाता है, जैसे कि ग्राफिक्स और फोंट, डॉक्यूमेंट को प्रिंट करने और वितरित करने से पहले।

एडोब पेजमेकर 7.0 डेस्कटॉप पब्लिशिंग एप्लिकेशन का अंतिम संस्करण है। हालाँकि यह अभी भी Adobe द्वारा बेचा और समर्थित है| एडोब पेजमेकर 7.0 मूल रूप से 2002 में जारी किया गया था, यह छोटे व्यवसायों और पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया था| यह प्रिंट के लिए चीजों को डिजाइन करने और पोस्टरों से लेकर रिपोर्टों तक के लिए बनाया गया है एडोब के अधिकांश आउटपुट की तरह यह एक सुविधा संपन्न प्रोग्राम है|

एडोब पेजमेकर Macintosh और Windows दोनों कंप्यूटरों पर चलता है, और यह अनुशंसा की जाती है कि प्रोग्राम को चलाने के लिए उपयोग किए जा रहे कंप्यूटर सिस्टम में कम से कम 200 मेगाबाइट हार्ड डिस्क स्थान उपलब्ध हो। पेजमेकर एडोब फोटोशॉप, एडोब इलस्ट्रेटर और एडोब एक्रोबैट सहित अन्य एडोब प्रोग्राम्स के साथ मिलकर काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

पेजमेकर की विशेषताये (Features of PageMaker)

- इसमें टेम्पलेट को ऐड किया गया है। जिसके द्वारा विभिन्न प्रकार के पेजों की डिज़ाइन पहले से ही निर्धारित होती है। और आप उनका उपयोग करके अपने काम को जल्दी कर सकते है।
- इस एडिशन में पहली बार टूलबार को जोड़ा गया। जिसके द्वारा काम करने की स्पीड में वृद्धि हुई है। इस टूलबार की मदद से आप फाइल को प्रिंट, सेव, फॉर्मेटिंग, स्पेलिंग चेक एक ही क्लिक से कर सकते है।
- इसमें कलर मैनेजमेंट का प्रयोग भी किया गया है। इसके द्वारा आप डॉक्यूमेंट में रंगों का निर्धारण अपनी पसंद के अनुसार कर सकते है।

ComputerHindiNotes.com

- क्लिप आर्ट के प्रयोग से आप चित्र और आइकॉन का उपयोग पब्लिशिंग में आसानी से कर सकते है।
- आधुनिक तथा एडवांस प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के माध्यम से आप दोनों तरफ प्रिंटिंग, डुप्लेक्स प्रिंटिंग, बाइंडिंग प्रिंटिंग आदि आसानी से कर सकते है।
- फ़ोटोशॉप के द्वारा फ़ोटो को डायरेक्टली इम्पोर्ट करके उपयोग में ले सकते है।

पेजमेकर के वर्जन्स (Versions Of PageMaker)

पेजमेकर के अब तक कई सारे वर्जन मार्केट में आ चुके है जिनके बारे में हम विस्तार से जानेगे |

- एल्डस पेजमेकर 1.0 को जुलाई 1985 में मैकिन्टोश के लिए और दिंसबर 1986 में आईबीएम पीसी के लिए जारी किया गया था।
- मैकिन्टोश के लिए एल्डस पेजमेकर 1.2 को 1986 में जारी किया गया था।
- मैकिन्टोश के लिए एल्डस पेजमेकर 4.0 को 1990 में जारी किया गया था और लंबे डाक्यूमेंट्स को संभालने के लिए एनईवर्ड प्रोसेसिंग क्षमताओं, विस्तारित टाइपोग्राफिक नियंत्रण और उन्नत सुविधाओं की पेशकश की गई थी।
- एल्डस पेजमेकर 5.0 जनवरी 1993 में जारी किया गया था।
- एल्डस सिस्टम्स द्वारा एल्डस कॉर्पोरेशन का अधिग्रहण करने के एक साल बाद 1995 में एडोब पेजमेकर 6.0 जारी किया गया था।
- एडोब पेजमेकर 6.5 1996 में जारी किया गया था। एल्डस पेजमेकर 2.0 को 1987 में जारी किया गया था। मई 1987 तक, विंडोज 1.0.3 के पूर्ण संस्करण के साथ प्रारंभिक विंडोज रिलीज को बंडल किया गया था ; यह संस्करण MS डोस को भी सपोर्ट करता था।
- अप्रैल 1988 में मैकिंटोश के लिए एल्डस पेजमेकर 3.0 को भेज दिया गया था।
- एडोब पेजमेकर 7.0, 9 जुलाई 2001 को जारी किया गया था, हालांकि दो समर्थित प्लेटफॉर्मों के लिए अपडेट जारी किए गए हैं। Macintosh संस्करण केवल Mac OS 9 या पूर्व में चलता हैं ,मैक ओएसएक्स, के लिए कोई मूल समर्थन नहीं हैं।

प्रश्न 7 - पेजमेकर 7.0 के टूल बॉक्स को समझाइए|

उत्तर - एडोब पेजमेकर टूलबॉक्स आपको पेजमेकर में ब्रोसर्स, पोस्टकार्ड्स, बिजनेस कार्ड, लेटरहैड्स, या अन्य पब्लिकेशन्स को डिजाइन करने के लिये आपकी आवश्यकतानुसार सभी डेस्कटॉप पब्लिशिंग टूल्स प्रदान करता

ComputerHindiNotes.com

हैं। सामान्यतया टूल बॉक्स पैलेट पेजमेकर की विंडो मे स्वतः ही दिखाई पडता है यदि यह दिखाई न दे रहा हो तो Window Menu मे Show Tools आदेश देकर उसे देखा जा सकता है, टूलबॉक्स मे आपके प्रकाशन के किसी पेज को तैयार करने के लिए सभी आवश्यक टूल दिए होते है।

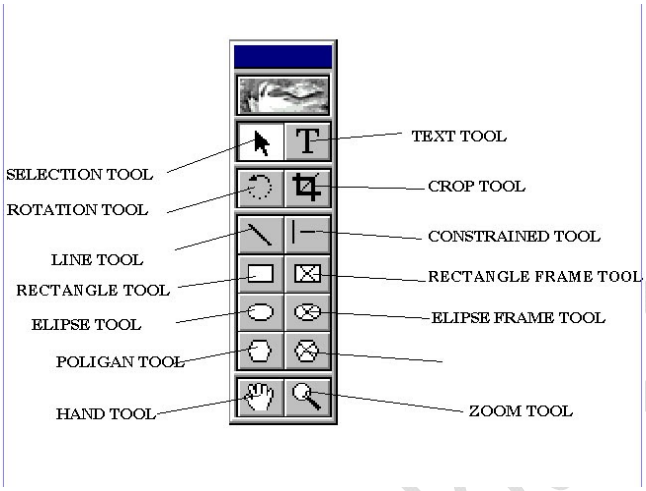

जब आप किसी टूल को चुनने के लिये उस पर माउस प्वांटर लॉकर क्लिक करते है, तो माउस प्वांटर अपना रूप बदल देता है और टूलबॉक्स से बाहर आने पर उसी टूल के रूप का हो जाता है इससे आपको पता चल जाता है कि आपने कौन सा टूल चुना हुआ है।

प्वांटर टूल (Pointer tool)

किसी पेज पर लगी हुई किसी भी प्रकार की वस्तु, जैसे पाठ्य, लाइन, बॉक्स , वृत्त, चित्र आदि को चुनने के लिए माउस पॉइंटर उस वस्तु के ठीक ऊपर लाकर क्लिक कीजिए, चुनी हुई वस्तु के चारो ओर हैडिंल दिखाई पडते है, जिनसे आपको पता चलता है कि वह वस्तु चुनी हुई है।

आप इस टूल का उपयोग करके एक से अधिक वस्तुए भी एक साथ चुन सकते है, इसके लिए पहले एक वस्तु को क्लिक करके चुनिए और फिर अन्य वस्तुओ को बारी बारी से क्लिक करते समय शिफ्ट कुंजी को दबाए रखिए इससे वे सभी वस्तुए चुन ली जाएगी यदि चुनी जाने वाली वस्तुए पास पास है तो प्वांटर टूल को सक्रिय करके माउस प्वांटर से उनके चारो ओर एक काल्पनिक चौकोर घेरा बनाइए, इससे उस घेरे के अंदर जाने वाली सभी वस्तुए चुन ली जाएगी किसी चुनी हुई वस्तु को चुनाव से निकलने के लिए शिफ्ट दबाकर उसे क्लिक किजिए सभी चुनावो को रद्द करने के लिए कही खाली स्थान पर क्लिक कीजिए।

ComputerHindiNotes.com

टेक्स्ट टूल (Text Tool)

इस टूल की सहायता से आप अपने प्रकाशन मे टैक्स्ट टाइप कर सकते है या पहले से टाइप किए हुए टैक्स्ट को चुन सकते है।टैक्स्ट टूल का प्रयोग करके आप टैक्स्ट को सेलेक्ट करने के साथ संशोधन कर सकते हैं, साथ ही साथ टैक्स्ट बॉक्स इंसर्ट कर सकते हैं।

टेक्स्ट टूल को इन्सर्ट करने के लिए टैक्स्ट टूल पर क्लिक कीजिये,फिर डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये तथा टैक्स्ट टाइप करना आंरभ कीजिये।

रोटेटिंग टूल (Rotating Tool)

किसी चुनी हुई वस्तु को 0.01o के अंतर से 360 o तक घुमाने के लिए इस टूल का उपयोग किया जाता है इसके लिए पहले प्वांटर टूल का उपयोग करके उस वस्तु को चुन लीजिए, फिर रोटेटिंग टूल को क्लिक कीजिए। इससे माउस प्वांइंटर का रुप बदलकर एक चोकोर तारे जैसा रुप ले लेगा अब माउस प्वांइटर को चुनी हुई वस्तु के उस बिन्दु पर ले जाइए, जिसको केन्द्र मानकर आप उसे घुमाना चाहते है वही माउस बटन को दबाकर पकड लीजिए और जिस दिशा मे आप उसे घुमाना चाहते है उसी दिशा मे माउस प्वांइंटर को खीचंते हुए उस बिन्दु से एक लाइन बनाइए, जब आप उस लाइन को घुमाएंगे, तो चुनी हुई वस्तु भी घूमती हुई दिखाई देगी इच्छित अंश तक घुमाने के बाद माउस बटन को छोड दीजिए, इससे वह वस्तु उतनी ही घूम कर स्थिर हो जाएगी।

लाइन टूल (Line Tool)

इस टूल का उपयोग किसी भी अंश पर झुकी हुई सरल रेखाए खीचने के लिए किया जाता है कोई रेखा खीचने के लिए पहले इस टूल को क्लिक कीजिए, जिससे माउस प्वाइंटर एक धन चिन्ह + का रुप ले लेगा। अब माउस बटन दबाकर माउस प्वांटर को एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक खीचिए, जिससे उन दोनो बिंदुओ के बीच एक सरल रेखा बन जाएगी।

यदि आप रेखा को 45 o के अंतरो मे झुकी हुई बनाना चाहते है तो माउस प्वांइटर को खीचते समय शिफ्ट कुंजी को दबाकर पकड लीजिए।

कॉन्सट्रेन्ड लाइन टूल (Constrained Line tool)

इस टूल का उपयोग क्षैतिज (Horizontal) तथा ऊध्वाधर (Vertical) सरल रेखाए खीचने के लिए किया जाता है। कोई रेखा खीचने के लिए पहले इस टूल को क्लिक कीजिए। जिससे माउस प्वांइंटर एक धन + चिन्ह का रुप

ComputerHindiNotes.com

ले लेगा। अब माउस बटन दबाकर माउस प्वांइंटर को एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु तक खीचिए। जिससे उन दोनो बिदुंओ के बीच एक क्षैतिज अथवा ऊध्वाधर सरल रेखा बन जाएगी। आप लाइन टूल का उपयोग करते समय शिफ्ट कुजीं को दबाए रखकर इस टूल का effect उत्पन्न कर सकते है।

रेक्टेंगल टूल (Rectangle Tool)

इस टूल का उपयोग आयताकार तथा वर्गाकार आकृतिया बनाने के लिए किया जाता है। कोई आयत बनाने के लिए पहले इस टूल को क्लिक कीजिए, जिससे माउस प्वांइंटर एक धन + चिन्ह का रूप ले लेगा। अब माउस बटन दबाकर माउस प्वांइंटर को आयत के एक कोने से उसके सामने के दूसरे कोने तक खीचिए। जिससे उन दोनो बिदुंओ के बीच आयत बन जाएगा। वर्ग बनाने के लिए ऊपर की क्रिया मे माउस प्वांइंटर को खीचते समय शिफ्ट कुंजी को दबा लिया जाता है।

इलिप्स टूल (Ellipse Tool)

इस टूल का उपयोग दीर्घवृत्ताकार तथा वृत्ताकार आकृतिया बनाने के लिए किया जाता है। कोई दीर्घवृत्त या ओवल बनाने के लिए पहले इस टूल को क्लिक कीजिए, जिससे माउस प्वांइंटर एक धन + चिन्ह का रूप ले लेगा। अब माउस बटन दबाकर माउस प्वांइंटर की आकृति को के एक कोने से उसके सामने के दसरे कोने तक खीचिए। जिससे उन दोनो बिदुंओ के बीच एक ओवल या दीर्घवृत्त बन जाएगा। दीर्घवृत्त बनाने के लिए माउस प्वांइंटर को खीचते समय शिफ्ट कुजी को दबा लिया जाता है।

हैडं टूल (Hand Tool)

इस टूल का उपयोग प्रकाशन के किसी भी पेज को स्क्रीन पर इधर उधर या ऊपर नीचे सरकाने के लिए किया जाता है ताकि आप उसका इच्छित भाग देख सके।

जूम टूल (Zoom Tool)

इस टूल का उपयोग प्रकाशन के किसी भी पेज को स्क्रीन पर छोटा या बडा करके देखने के लिए किया जाता है ताकि आप उसे अच्छी तरह से देख सके।

क्रॉप टूल (Crop Tool)

इसका प्रयोग करके आप इम्पोर्ट की गई इमेज को अपनी इच्छानुसार किसी भी आकार में छाँट सकते हैं। आप इस पेजमेकर टूल का प्रयोग केवल .tiff इमेज पर कर सकते हैं।

ComputerHindiNotes.com

ऑब्लिक लाइन टूल (Oblique Line Tool)

इसका प्रयोग करके आप एक कोण पर सीधी रेखाओं का निर्माण कर सकते हैं। ऑब्लिक लाइन टूल पर क्लिक कीजिये, तथा फिर डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये। एक लाइन का निर्माण करने के लिये इसे एच्छिक दिशा में ड्रैग कीजिये।

बॉक्स टूल (Box Tool)

बॉक्स टूल का प्रयोग करके आप आयताकार आकारो (Rectangle) का निर्माण कर सकते हैं। बॉक्स टूल का चयन कीजिये तथा डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये। आयताकार आकार (Rectangle) का निर्माण करने के लिये इसे ड्रैग कीजिये।

सर्किल टूल (Circle Tool)

सर्किल टूल का प्रयोग करके आप एक वृत्ताकार या दीर्घवृत्ताकार (Circular or Elliptical)आकार का निर्माण कर सकते हैं। सर्किल टूल का चयन कीजिये, तथा फिर डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये। वृत्त या दीर्घवृत्त (Circle or ellipse) का निर्माण करने के लिये इसे ड्रैग कीजिये।

सर्कुलर फ्रेम टूल (Circular Frame Tool)

सर्कुलर फ्रेम टूल का प्रयोग करके आप वृत्ताकार या दीर्घवृत्ताकार टैक्स्ट बॉक्स (Circular or elliptical text box) का निर्माण कर सकते हैं जिसमें आप टैक्स्ट टाइप भी कर सकते हैं। सर्कुलर फ्रेम टूल का चयन कीजिये, तथा फिर डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये। वृत्ताकार फ्रेम (Circular frame) का निर्माण करने के लिये इसे ड्रैग कीजिये। टूलबॉक्स से टैक्स्ट टूल का चयन कीजिये तथा फ्रेम के अंदर क्लिक कीजिये। अपना टैक्स्ट टाइप कीजिये। टैक्स्ट बॉक्स के अंदर सीमित हो जायेगा।

पॉलीगन टूल (Polygon Tool)

पॉलीगन टूल का प्रयोग करके आप एक ऐसे आकार का निर्माण कर सकते हैं। जिसके चार से ज्यादा कोने होते हैं। सर्कुलर फ्रेम टूल का चयन कीजिये, तथा फिर डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये। बहुभुजाकार फ्रेम (Polygonal frame) का निर्माण करने के लिये इसे ड्रैग कीजिये। Polygonमें सुधार करने के लिये, Element पर क्लिक कीजिये ओर फिर ड्रॉप डाउन मेन्यू से Polygon Settings का चयन कीजिये।

ComputerHindiNotes.com

प्रश्न 8 - पेजमेकर 7.0 में डॉक्यूमेंट इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट कैसे करें|

उत्तर - यदि आप ऍम एस वर्ड के डॉक्यूमेंट को पेजमेकर में खोलना चाहते हैं हैं तो उसके लिए हम इम्पोर्ट विकल्प का प्रयोग करते हैं|

- सबसे पहले फ़ाइल मेनू पर क्लिक करें और फिर ड्रॉप-डाउन मेनू से Place... विकल्प चुनें।
- आपके सामने प्लेस डायलॉग बॉक्स खुल जायेंगा |
- इसके बाद उस फोल्डर पर जाएँ जिसमे आपकी टेक्स्ट फाइल हैं और उसे खोलने के लिए डबल क्लिक करें। जिस फ़ाइल को आप रखना चाहते हैं, उस पर क्लिक करें।
- Open बटन पर क्लिक करें।

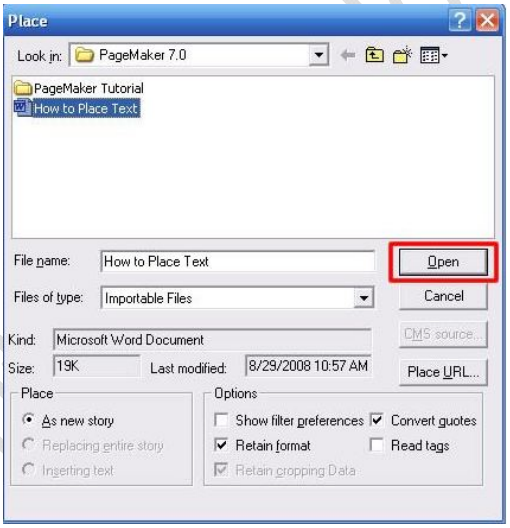

- आपका कर्सर एक लोड किए गए टेक्स्ट आइकन में बदल जाएगा। अपने कर्सर को पेजमेकर के पेज में उस स्थान पर रखें जहाँ आप टेक्स्ट फ़ाइल को Import करना चाहते हैं।
- आपका टेक्स्ट उतना ही नीचे की ओर जाएगा, जितना आपके कॉलम, टेक्स्ट ब्लॉक या पेज में फिट होगा।
- अब आप आवश्यकतानुसार अपने टेक्स्ट को एडिट और फॉर्मेट कर सकते हैं।

टिप- आप अपने टेक्स्ट या ग्राफ़िक को सीधे एक नए टेक्स्ट बॉक्स में import कर सकते हैं। जब कर्सर चरण 5 में लोड किए गए आइकन में बदल जाता है, तो माउस को नीचे, विकर्ण दिशा (diagonal direction) में क्लिक

करें और खींचें। यह एक टेक्स्ट बॉक्स बनाएगा। एक बार जब आप माउस छोड़ देते हैं, तो आपकी import फ़ाइल को इस टेक्स्ट बॉक्स में रखा जाएगा।

यदि आपके पास माइक्रोसॉफ्ट वर्ड या किसी अन्य स्रोत से बड़ी मात्रा में टेक्स्ट है, तो यह उस कॉलम या पेज में फिट नहीं हो सकता है जो इसे जगह देता है। जब टेक्स्ट की मात्रा आपके कॉलम या पेज को ओवररन करती है, तो एक लाल, नीचे की ओर-इंगित तीर दिखाई देने लगता है। जब तक आप Autoflow का चयन नहीं करेंगे, तब तक आपके टेक्स्ट ब्लॉक के निचले हैंडल पर दिखाई देगा।

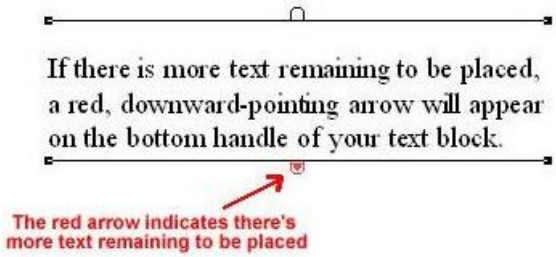

बाहरी टेक्स्ट फ़ाइल को पेजमेकर डॉक्यूमेंट में रखने के लिए आप दो तरीकों का उपयोग कर सकते हैं:

मैनुअल फ्लो (Manual Flow)- यह आपको मैन्युअल रूप से शेष टेक्स्ट को दूसरे कॉलम या पेज पर रखने की सुविधा देता है

ऑटोफ्लो (Autoflow)- यह अपने टेक्स्ट प्रवाह को अगले कॉलम या क्रमिक पेजों में स्वचालित रूप से रखने की सुविधा देता है।

Manual Flow

- टेक्स्ट को जारी रखने के लिए लाल तीर पर क्लिक करें। कर्सर लोड किए गए टेक्स्ट आइकन पर वापस बदल जाएगा।
- लोड किए गए टेक्स्ट आइकन को अपने डॉक्यूमेंट पर किसी अन्य स्थान पर रखें, और क्लिक करें। एक बार फिर, टेक्स्ट कॉलम, टेक्स्ट ब्लॉक या पेज के निचले भाग में जाएगा।
- इस चरण को तब तक दोहराएं जब तक कि आपने अपना सारा टेक्स्ट न लगा दिया हो। जब सारा टेक्स्ट फिट हो जायेंगा, तो नीचे का हैंडल खाली हो जाएगा।

Autoflow

- मेनू बार से Layout Menu खोलें।

- ड्रॉप-डाउन मेनू से Autoflow कमांड का चयन करें। लोड किए गए टेक्स्ट आइकन में थोड़ी क्षैतिज रेखाओं के बजाय एक घुमावदार तीर होगा।
- अपने टेक्स्ट को रखने के लिए डॉक्यूमेंट पर एक जगह पर क्लिक करें। टेक्स्ट स्वचालित रूप से रखा जाएगा, और पेजमेकर आवश्यकतानुसार पेज जोड़ देंगा|

एडोब पेजमेकर 7.0 को पीडीएफ फॉर्मेट में कैसे बदलें

एडोब पेजमेकर 7.0 अपने उपयोगकर्ताओं को उनकी व्यावसायिक आवश्यकताओं के आधार पर सैकड़ों विभिन्न प्रकार के समाचार पत्र, ब्रोशर और रिपोर्ट बनाने की अनुमति देता है। एडोब पेजमेकर फ़ोटोशॉप या इलस्ट्रेटर जैसे अन्य एडोब प्रोग्राम से टेक्स्ट या ग्राफिक्स के एकीकरण का समर्थन करता है। अपने एडोब पेजमेकर दस्तावेजों को पीडीएफ फॉर्मेट में बदलने के लिए आपको विभिन्न घटकों को इनस्टॉल करने की आवश्यकता होती है जो पेजमेकर इनस्टॉल करते समय ही इनस्टॉल हो जाते हैं|

- सबसे पहले अपना पेजमेकर डॉक्यूमेंट खोलें और अपनी स्क्रीन के शीर्ष पर “File” बटन पर क्लिक करें। “Export” उप-मेनू से “Adobe PDF” चुनें। पॉप-अप स्क्रीन में “Job Name” मेनू से एक पीडीएफ विकल्प चुनें।
- पॉप-अप मेनू में टैब से किसी भी इच्छित पूर्व निर्धारित विकल्प को बदलें और “Export” पर क्लिक करें।

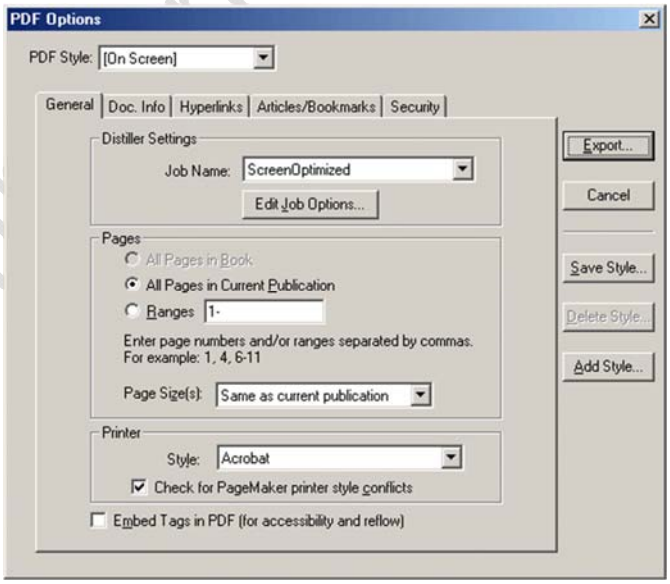

- अपने PDF डॉक्यूमेंट के लिए एक नाम दर्ज करें और अपने कंप्यूटर की हार्ड ड्राइव पर save करने के लिए लोकेशन चुनें।

- "PDF View" का चयन करें और "Save" पर क्लिक करें।

प्रश्न 9 - पेजमेकर में स्टोरी एडिटर क्या हैं?

उत्तर - पेजमेकर में स्टोरी एडिटर एक टेक्स्ट-ओनली व्यू है जहां आप टेक्स्ट को जल्दी और आसानी से एडिट कर सकते हैं क्योंकि पेजमेकर को ग्राफिक्स या रीफाइंड फॉर्मेटिंग प्रदर्शित करने की आवश्यकता नहीं है, टेक्स्ट को एक ऐसे फॉर्मेट में एडिट करने के लिए, जो वर्ड प्रोसेसर की तरह दिखता है स्टोरी एडिटर आसान सुधार के लिए एक ही पेज में सभी टेक्स्ट प्रदर्शित करता है, भले ही स्टोरी आपके डॉक्यूमेंट में कई पेजों तक फैला हो। टेक्स्ट के दाईं ओर एक स्क्रॉल बार आपको टेक्स्ट ब्लॉक के माध्यम से स्क्रॉल करने की अनुमति देता है।

स्पेल चेकर और फाइंड एंड रिप्लेस कमांड केवल स्टोरी एडिटर के भीतर उपलब्ध हैं। क्योंकि स्टोरी एडिटर सभी टेक्स्ट एन्हांसमेंट्स को प्रदर्शित नहीं करता है, यहां एडिटिंग और टाइपिंग, टेक्स्ट लेआउट मोड की तुलना में तेज है। पेजमेकर में कुछ कार्य केवल स्टोरी एडिटर के व्यू में किए जा सकते हैं, जैसे कि स्पेलिंग ग्रामर चेक करना, टेक्स्ट को फाइंड और रिप्लेस करना।

स्टोरी एडिटर पेजमेकर में टेक्स्ट टाइप और एडिट करने का एक तरीका है। बस उस टेक्स्ट पर क्लिक करें जिसमे आप सुधार करना चाहते हैं, Ctrl + E दबाएं (या मेनू से Edit> Edit Story का उपयोग करें), और आपकी कहानी अपने वर्ड प्रोसेसिंग विंडो में दिखाई देती है। स्टोरी एडिटर में सभी टेक्स्ट टूल के एडिटिंग कमांड (इन्सर्ट, डिलीट कट और पेस्ट) उपलब्ध हैं।

जब आप स्टोरी एडिटर में होते हैं, तो आप सामग्री में रुचि रखते हैं, न कि फॉर्म में। हालांकि स्टोरी एडिटर टाइप स्टाइल (बोल्ड, इटैलिक आदि) दिखाता है, लेकिन यह पेज लेआउट, ग्राफिक्स या फॉर्मेटिंग नहीं दिखाता है। जब आप स्टोरी एडिटर में होते हैं, जो लेआउट व्यू के विपरीत है| जब आप पेजमेकर चालू करते हैं और कुछ भी टाइप करते हैं उस समय आपको जो व्यू दिखाई देता हैं उसे Layout View कहाँ जाता हैं|

आप कुछ तरीकों से स्टोरी एडिटर का उपयोग कर सकते हैं। आप इसका उपयोग में सुधार करने के लिए कर सकते हैं जो पहले से ही पब्लिकेशन में रखा गया है। आप टाइपिंग की गलतियों को ठीक कर सकते हैं, कहानी में वर्तनी की जांच कर सकते हैं, या फाइंड और रिप्लेस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। दूसरी बात, हालाँकि आप स्टोरी एडिटर में फ़ॉर्मेटिंग नहीं करना चाहते हैं, फिर भी आप अपनी फॉर्मेटिंग को बदलने के लिए, फ़ाइंड और फ़ीचर को बदलने के लिए इसका इस्तेमाल करना चाह सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि सबहेड्स 14 पॉइंट Times New Roman में हैं, तो स्टोरी एडिटर स्वचालित रूप से उन्हें 16 पॉइंट Helvetica में बदल सकता है। स्टोरी एडिटर का

ComputerHindiNotes.com

उपयोग करने का दूसरा तरीका यह है कि एडिटर का उपयोग करके स्क्रैच से पूरी कहानी बनाएं और टाइप करें। स्टोरी एडिटर कई फायदे प्रदान करता है। आप Layout View की तुलना में कहानी के व्यू में बहुत तेजी से टाइप और सुधार कर सकते हैं क्योंकि स्टोरी एडिटर स्क्रीन पर फोंट और ग्राफिक्स प्रदर्शित नहीं करता है|

स्टोरी एडिटर में एक मौजूदा कहानी में सुधार करने के लिए, टेक्स्ट टूल के साथ टेक्स्ट पर क्लिक करें, या पॉइंटर टूल के साथ टेक्स्ट ब्लॉक का चयन करें, और Ctrl + E दबाएं या Edit> Edit Story चुनें। आप पॉइंटर टूल के साथ टेक्स्ट ब्लॉक पर ट्रिपल क्लिक करके स्टोरी एडिटर में एक मौजूदा कहानी भी लोड कर सकते हैं। स्टोरी एडिटर में एक नई कहानी बनाने के लिए, बिना किसी टेक्स्ट या टेक्स्ट ब्लॉक के Ctrl + E दबाएं।

जब आप स्टोरी एडिटर को लोड करते हैं, तो आप ऍम एस वर्ड की तरह दिखाई देने वाली विंडो में पहुच जाते हैं स्टोरी एडिटर का मेन्यू बार पब्लिकेशन विंडो में आपके द्वारा देखे जाने से थोड़ा अलग है क्योंकि आपके पास प्रत्येक व्यू में अलग-अलग क्षमताएं हैं।

पेजमेकर में स्टोरी एडिटर कैसे खोले (How to open Story Editor in Page Maker 7.0)

- स्टोरी एडिटर में एक मौजूदा कहानी में सुधार करने के लिए, टेक्स्ट टूल के साथ टेक्स्ट पर क्लिक करें, या पॉइंटर टूल के साथ टेक्स्ट ब्लॉक का चयन करें, और Ctrl + E दबाएं|
- या Edit Menu से, Story Editor का चयन करें|
- पूरी कहानी का टेक्स्ट अब स्टोरी एडिटर में दिखाई देगा।

माउस विकल्प:

- पॉइंटर टूल के साथ स्टोरी एडिटर तक पहुंचने के लिए, टेक्स्ट ब्लॉक में ट्रिपल-क्लिक करें|
- जब आप स्टोरी एडिटर को लोड करते हैं, तो आप ऍम एस वर्ड की तरह दिखाई देने वाली विंडो में पहुच जाते हैं स्टोरी एडिटर का मेन्यू बार पब्लिकेशन विंडो में आपके द्वारा देखे जाने से थोड़ा अलग है क्योंकि आपके पास प्रत्येक व्यू में अलग-अलग क्षमताएं हैं।

स्टोरी एडिटर से बाहर कैसे निकले

- Edit Menu से, Edit layout का चयन करें
- या Story menu से, Close Story चुनें

ComputerHindiNotes.com

- या CLOSE बॉक्स पर क्लिक करें|

प्रश्न 10 - पेजमेकर 7.0 में फाइंड और रिप्लेस विकल्प का प्रयोग कैसे करें

उत्तर - पेजमेकर 7.0 में किसी भी टेक्स्ट को सर्च करने या किसी टेक्स्ट को बदलने के लिए Find and Change विकल्प का प्रयोग किया जाता हैं| और यह कार्य एडिट स्टोरी व्यू में किया जाता हैं इसलिए हम सबसे पहले यह जानेंगे की स्टोरी एडिटर क्या हैं?

स्टोरी एडिटर क्या हैं? (What is Story Editor?)

पेजमेकर में स्टोरी एडिटर एक टेक्स्ट-ओनली व्यू है जहां आप टेक्स्ट को जल्दी और आसानी से एडिट कर सकते हैं क्योंकि पेजमेकर को ग्राफिक्स या रीफाइंड फॉर्मेटिंग प्रदर्शित करने की आवश्यकता नहीं है, और स्टोरी विभिन्न पेजों पर फैलने के बजाय सभी एक साथ एक ही स्थान पर होती हैं।

टेक्स्ट को एक ऐसे फॉर्मेट में एडिट करने के लिए, जो वर्ड प्रोसेसर की तरह दिखता है स्टोरी एडिटर आसान सुधार के लिए एक ही पेज में सभी टेक्स्ट प्रदर्शित करता है, भले ही स्टोरी आपके डॉक्यूमेंट में कई पेजों तक फैला हो। टेक्स्ट के दाईं ओर एक स्क्रॉल बार आपको टेक्स्ट ब्लॉक के माध्यम से स्क्रॉल करने की अनुमति देता है। स्पेल चेकर और फाइंड एंड रिप्लेस कमांड केवल स्टोरी एडिटर के भीतर उपलब्ध हैं। क्योंकि स्टोरी एडिटर सभी टेक्स्ट एन्हांसमेंट्स को प्रदर्शित नहीं करता है, यहां एडिटिंग और टाइपिंग, टेक्स्ट लेआउट मोड की तुलना में तेज है। पेजमेकर में कुछ कार्य केवल स्टोरी एडिटर के दृश्य में किए जा सकते हैं, जैसे कि स्पेलिंग ग्रामर चेक करना, टेक्स्ट को फाइंड और रिप्लेस करना।

स्टोरी एडिटर कैसे खोले (How to open Story Editor)

- उस टेक्स्ट के ब्लॉक पर क्लिक करें जिसमे आप सुधार करना चाहते हैं
- Edit Menu से, Story Editor का चयन करें
- पूरी कहानी का टेक्स्ट अब स्टोरी एडिटर में दिखाई देगा।

माउस विकल्प:

- पॉइंटर टूल के साथ स्टोरी एडिटर तक पहुंचने के लिए, टेक्स्ट ब्लॉक में ट्रिपल-क्लिक करें|

ComputerHindiNotes.com

पेजमेकर 7.0 में फाइंड विकल्प का उपयोग कैसे करें (How to use the Find option in Page Maker 7.0)

जब आप बड़े Document के साथ काम कर रहे हों, तो एक विशिष्ट शब्द या वाक्यांश का पता लगाने में मुश्किल और समय लग सकता है। Find option का उपयोग करके स्वचालित रूप से आपके Document से Particular Text को खोजा जा सकता है, और आप Replace option का उपयोग करके Text को बदल भी सकते हैं| पेजमेकर आपको विशिष्ट शब्दों या पैराग्राफ के लिए स्टोरी एडिटर में कहानियों को खोजने और अन्य शब्दों या पैराग्राफ के साथ सभी या कुछ घटनाओं को बदलने की अनुमति देता है। Find Option का प्रयोग किसी विशेष शब्द अथवा शब्द श्रृंखला को खोजने के लिए किया जाता है।

- सुनिश्चित करें कि आप स्टोरी एडिटर में हैं।
- फाइंड सुविधा आपको अपने डॉक्यूमेंट और कहानी खोजने के लिए कई विकल्प देती है। Search Story में आपको निम्न विकल्प दिखाई देंगे-

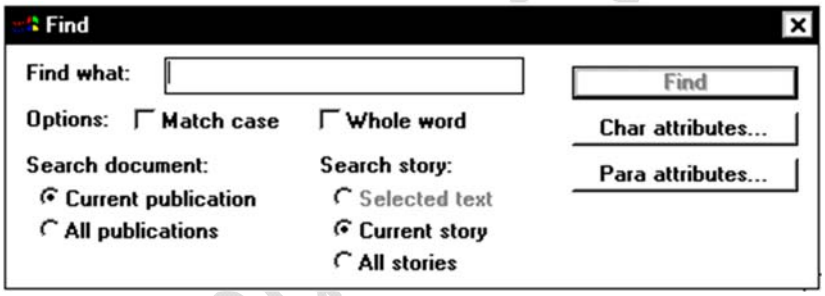

  Selected Text – यह सुविधा केवल आपके द्वारा चयनित टेक्स्ट को खोजेगी।

  Current Story – यह केवल वर्तमान खुली स्टोरी की खोज करेगी।

  All Stories – फाइंड फीचर सभी कहानियों को खोजेगा।

- सबसे पहले Utility Menu से, Find.... विकल्प का चयन करें|
- स्क्रीन पर फाइंड डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा।
- Find What बॉक्स में, शब्द या वाक्यांश टाइप करें
- इसके बाद FIND पर क्लिक करें
- शब्द या वाक्यांश के बाद की घटनाओं को खोजने के लिए, FIND NEXT पर क्लिक करें
- जब कोई और घटना नहीं होती है, तो Search Complete dialog box दिखाई देगा।
- Ok पर क्लिक करें
- किसी अन्य शब्द या वाक्यांश को खोजने के लिए, फिर से यही प्रक्रिया दोहराए|

ComputerHindi.com

- समाप्त होने पर, Find डायलॉग बॉक्स बंद करें|

पेजमेकर 7.0 में चेंज विकल्प का उपयोग कैसे करें (How to use the Change option in Page Maker 7.0)

जब आप Document पर काम करते हैं तो कभी-कभी आपको एक Text को किसी दूसरे Text से बदलने की आवश्यकता होती होगी| जैसे कि किसी व्यक्ति के नाम की गलत Spelling या आपने अपने पूरे Document में Adobe Page Maker लिखने की जगह केवल Page Maker लिख दिया हैं तो आप इसे Changes option के द्वारा सही कर सकते हैं|

- सबसे पहले तो आप सुनिश्चित करें कि आप स्टोरी एडिटर में हैं।
- इसके बाद Utilities menu से, Change.... का चयन करें|
- स्क्रीन पर Change डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा।
- Find What: टेक्स्ट बॉक्स में शब्द या वाक्यांश को खोजने के लिए टाइप करें
- Change to: बॉक्स में रिप्लेस शब्द या वाक्यांश टाइप करें
- शब्द या वाक्यांश की पहली घटना को खोजने के लिए, FIND बटन पर क्लिक करें

या

- शब्द या वाक्यांश की सभी घटनाओं को खोजने और बदलने के लिए, Changes All पर क्लिक करें

(यदि आपने चेंज ऑल का चयन किया है, तो स्टेप 7. स्किप करें)

- यदि आपने चरण 4 में फाइंड का चयन किया है, तो आपके पास अब कई विकल्प हैं
    - शब्द बदलने के लिए, Change पर क्लिक करें
    - शब्द को अनदेखा करने के लिए, IGNORE पर क्लिक करें
    - अगला शब्द खोजने के लिए, FIND NEXT पर क्लिक करें
    - शब्द बदलने के लिए और अगले एक को खोजने के लिए, Change and Find पर क्लिक करें
    - शब्द की सभी घटनाओं को बदलने के लिए, Changes all पर क्लिक करें
- जब Search Complete dialog box दिखाई देगा। तो Ok पर क्लिक करें
- अंत में CLOSE पर क्लिक करें|

ComputerHindiNotes.com

स्टोरी एडिटर से बाहर कैसे निकले

- Edit Menu से, Edit layout का चयन करें|
- या Story menu से, Close Story चुनें|
- या CLOSE बॉक्स पर क्लिक करें|

ComputerHindiNotes.com

UNIT - 3

प्रश्न 11 – ओब्जेक्टिंग लिंकिंग एम्बडिंग क्या हैं?

उत्तर - OLE का पूरा नाम object linking & embedding है। इसका तात्पर्य एक Application के object को दूसरे application से link करना है। इसे Microsoft द्वारा विकसित किया गया हैं जो कि Components object Model (COM) पर आधारित है। "OLE Microsoft की एक तकनीक है जिसके द्वारा हम डायनामिक तरीके से files तथा applications को एक साथ link कर सकते है।"

Linking दो ऑब्जेक्ट्स के बीच कनेक्शन स्थापित करती है, और embedding एप्लिकेशन डेटा सम्मिलन की सुविधा प्रदान करती है। इस प्रकार OLE का तात्पर्य एक ऐसी तकनीक से हैं जो application के object को दूसरे application से link करती है। OLE का उपयोग कंपाउंड डॉक्यूमेंट प्रबंधन के साथ-साथ ड्रैग-एंड-ड्रॉप और क्लिपबोर्ड संचालन के माध्यम से applications डेटा स्थानांतरण के लिए किया जाता है।

उदाहरण के लिए:-

हम MS Word में MS Excel की Sheet को लिंक कर सकते हैं जब वर्ड में स्प्रेडशीट खुल जाती है तब स्प्रेडशीट का यूजर इंटरफ़ेस लोड होता है। और word डॉक्यूमेंट के अंदर हम Excel पर कार्य कर सकते है।

इसके द्वारा हम किसी image/picture को photo editing प्रोग्राम जैसे:- Photoshop में ओपन करके उसे word, excel या किसी अन्य application में move कर सकते है।

OLE को बाद में बहुत बड़े स्टैण्डर्ड में विकसित किया गया जिसे COM (components object model) कहते है। COM को Mac, Unix तथा windows systems के द्वारा सपोर्ट किया जाता है। परंतु इसे मुख्यतया Microsoft विंडोज में प्रयोग किया जाता है। COM जो है वह ActiveX की foundation है जिसके द्वारा डेवलपर, वेब के लिए interactive content बनाते है।

OLE-supported software applications

- Microsoft Windows applications जैसे – Excel, Word and PowerPoint
- Corel WordPerfect
- Adobe Acrobat
- AutoCAD

ComputerHindiNotes.com

- Multimedia applications, जैसे – photos, audio/video clips and PowerPoint presentations.

OLE के नुकसान

1. Embedded objects होस्ट डॉक्यूमेंट फाइल के साइज को बढ़ा देता है जिससे स्टोरेज और लोडिंग की परेशानी होती है।

2. Linked objects ब्रेक हो सकते है अगर linked objects को ऐसी लोकेशन में रख दिया जाता है जहाँ original डॉक्यूमेंट application नहीं होती है।

3. अगर linked और embedded object application उपलब्ध नही होती है तो object को edit तथा manipulate नहीं कर सकते है।

प्रश्न 12 – पेजमेकर में मास्टर पेज को समझाइए|

उत्तर - एडोब ने 2001 में पहली बार अपने स्टोर किए गए डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर के अंतिम वर्जन पेजमेकर 7 को वितरित किया, और इसके तुरंत बाद उपयोगकर्ताओं को अपने नए प्रकाशन सॉफ्टवेयर- इनडिजाइन- पर स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित किया। यदि आप पेजमेकर 7.0 का उपयोग कर रहे हैं, तो आप अपने डॉक्यूमेंट के मास्टर पेज फ़ीचर का उपयोग करके अपने द्वारा डिज़ाइन की गई स्टाइल में डॉक्यूमेंट के पेजों को स्वचालित रूप से नंबर डाल सकते हैं। एक मास्टर पेज में हेडर, फुटर, पेज नंबर, नॉनप्रिन्टिंग गाइड, कॉलम, गाइड और मार्जिन गाइड जैसे बुनियादी डिजाइन तत्व शामिल होते हैं।

अपने प्रकाशन में डिफ़ॉल्ट डॉक्यूमेंट मास्टर का उपयोग करने के अलावा, आप स्क्रैच से मास्टर पेज बना सकते हैं, या किसी मौजूदा मास्टर या प्रकाशन पेज के आधार पर मास्टर बना सकते हैं। यदि आपके पास कई मास्टर पेज हैं, जो एक या एक से अधिक डिज़ाइन विशेषताओं को शेयर करते हैं – जैसे कि पेज संख्याओं की स्थिति और फोर्मेटिंग, तो आप डॉक्यूमेंट मास्टर पेज डिज़ाइन करके या उसका प्रसार करके समय बचा सकते हैं|

ComputerHindiNotes.com

एक नया मास्टर पेज बनाने के लिए आपको निम्नलिखित कुछ चरणों का पालन करना होगा:

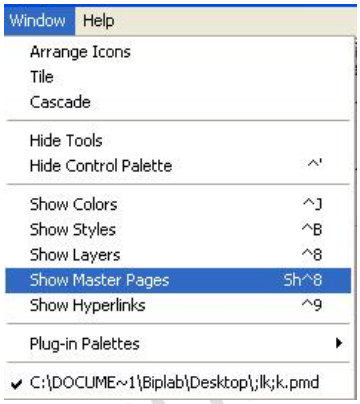

- सबसे पहले पेजमेकर 7.0 में एक डॉक्यूमेंट खोलें।
- टूलबॉक्स से टेक्स्ट टूल पर क्लिक करें।
- मास्टर पेज खोलने के लिए स्क्रीन के निचले बाएँ कोने में रुलर के नीचे स्थित L / R फ़ंक्शन पर क्लिक करें।
- टेक्स्ट टूल का उपयोग करते हुए, उस क्षेत्र के पास के मास्टर पेज पर एक टेक्स्ट ब्लॉक खींचें, जहाँ आप चाहते हैं कि पेज नंबर दिखाई दे।
- इसके बाद Windows Menu पर क्लिक करें और Show Master Page को चुनें|
- अब मास्टर पेज पैलेट से New Master page चुनें, या पैलेट के नीचे स्थित New master बटन पर क्लिक करें।

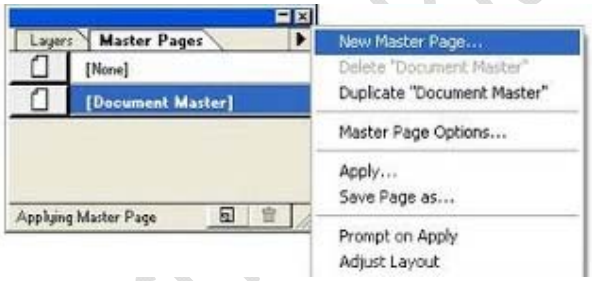

- मास्टर पेज के लिए एक नाम टाइप करें और सेट करें कि क्या आपको एक पेज या दो पेज का प्रसार चाहिए।

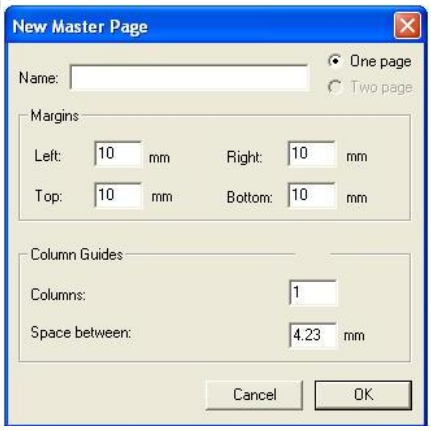

- यदि आपका प्रकाशन सिंगल साइड है, तो कॉलम के बीच मार्जिन, कॉलम की संख्या और स्पेस सेट करें।

Computer Notes

- यदि आप दो-पेज का मास्टर स्प्रेड बना रहे हैं, तो कॉलम और उन दोनों के बीच की दूरी को फैले हुए बाएं और दाएं हाथ के पन्नों में सेट करना सुनिश्चित करें।
- फिर Ok पर क्लिक करें।

प्रश्न 13 – न्यूज़ पेपर फ़ॉर्मेटिंग को समझाइए|

उत्तर - लोंगो के लिए आज के समय में समाचार पत्र दैनिक जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया हैं क्योकिं देश विदेश से सम्बंधित सारी जानकारी हमें समाचार पत्र में एक ही जगह पर मिल जाती हैं चाहे वह खेल से सम्बंधित हो या राजनीति से| समाचार पत्र पूरे संसार भर की खबरों का संग्रह होता है, जो हमें विश्व में होने वाली सभी घटनाओं के बारे में जानकारी देता है।

पेजमेकर 7.0 में न्यूज़ पेपर की पेज फोर्मेटिंग

समाचार पत्र का आकार बडा होता हैं, इसलिये उसमें सामान्य पेज लेआउट का प्रयोग नही किया जाता हैं। यद्यपी समाचार पत्र का आकार निश्चित नही हैं, क्योकि कई प्रकार के समाचार पत्र आते हैं जैसे दैनिक भास्कर, नई दुनिया, पत्रिका, टाइम्स, जागरण आदि फिर भी वह A4 आकार के पेपर से बडा होता हैं।

यहॉ आकार से ताप्पर्य एक पेज के आकार से हैं। अलग अलग देशो मे समाचार पत्र का आकार अलग अलग होता हैं। एक पेज में आठ कॉलम होते हैं। प्रत्येक कॉलम की चौडाई 4 सेन्टीमीटर होती हैं, तथा दो कॉलम के बीच में 5 मिलीमीटर की जगह छोडी जाती हैं। न्यूजपेपर में पेज लेआउट मे सामान्यत: ऊपर की ओर मुख्य या महत्वपूर्ण खबर रखी जाती हैं, उसे lead कहा जाता हैं। कम महत्वपूर्ण खबरों को नीचे की ओर रखा जाता हैं। समाचार पत्र को सामान्यत: बीच में मोडा जाता हैं, डिजाइनर यह कोशिश करता हैं की, मुडे हुए हिस्से में कोई टेक्स्ट ना आये। running text को एक से अधिक कॉलम में रखा जाता हैं, डाटा के अनुसार किसी कॉलम की चौडाई बढाई जाती हैं। मुख्य हेडिंग का आकार सबसे बडा रखा जाता हैं, तथा हेडिंग के आकार का दूसरा टेक्स्ट उस पेज में नही रखा जाता हैं। फोटो या ग्राफिक्स का आकार, टेक्स्ट के अनुसार सेट किया जाता हैं।

प्रत्येक राष्ट्रीय न्यूज पेपर की अपनी स्टाइल गाइड (Style Guides) होती हैं, जो उस न्यूजपेपर को अन्य राष्ट्रीय न्यूजपेपर से अलग बनाती हैं। किसी स्थानीय समाचार पत्र मे स्थानीय समाचार को अधिक महत्वपूर्ण तरीके से दर्शाया जाता हैं।

किसी भी बडे या मध्यम समाचार पत्र में उच्च प्रॉपर्टीवत्ता के पूर्वनिर्मित टेम्पलेट्स का प्रयोग किया जाता हैं। इन टेम्पलेट के प्रयोग से कार्य को दोहराने की जरूरत नहीं पडती हैं।टेम्पलेट में समाचार पत्र का लेआउट, कॉलम का

ComputerHindiNotes.com

आकार, हेडलाइन में कौन सा टाइफेस उपयोग होना है, एक विशिष्ट हेडलाइन में कितने शब्द रखना हैं, विभिन्न रंग संयोजन आदि पुर्वनिर्धारित होते हैं।

न्यूज़ पेपर सेटिंग

समाचार पत्र की सेटिंग करने के लिए DTP प्रोग्राम पेजेस पर लेआउट का खाका बनाया जाता हैं। इसमें अलग अलग कॉलम की एक ग्रिड बना कर पेज का लेआउट निश्चित किया जाता हैं। एक हेडिंग की चौड़ाई एक कॉलम से अधिक हो सकती हैं, मुख्य हेडिंग सभी कॉलम के चौडाई के समान भी हो सकती हैं। कोई तस्वीर एक से अधिक कॉलम मे सेट कि जा सकती हैं। बॉडी टेक्स्ट के लिए 9 या 10 पाइंट टाइप का उपयोग किया जाता हैं। हेडलाइन और सब-हेडिंग का आकार बडा होता हैं। चित्रों और कैप्शन के लिए रिक्त स्थान छोडी जाती हैं। कोई भी न्यूजपेपर का लेआउट बनाने से पहले अन्य प्रचलित समाचार पत्रों को लेआउट जांच लेना चाहिए। न्यूजपेपर की डिजाइन मे निम्न विशेषताओं का उपयोग किया जाता हैं। बॉर्डर, रूल्स (टेक्स्ट और ग्राफिक्स को विभाजित करते हुए सीधी लाइनें) कलर का प्रयोग, हेडर बोल्ड या बडे आकार में टेक्स्ट, हेडलाइन और टाइपफेस आदि। लेआउट में टेक्स्ट को सेट करने के लिए ग्राफिक्स या इमेज की सहायता ली जा सकती हैं सभी फारमेंटीग पूर्ण होने के बाद उसका draft आउटपुट निकाल कर चेक किया जाता हैं। आवश्यक सुधार के बाद उसे व्यवसायिक प्रिन्टर पर भेजा जाता हैं।

प्रश्न 14 - पेजमेकर में डॉक्यूमेंट को प्रिंट कैसे करते हैं तथा विभिन्न प्रिंट विकल्प को समझाइए|

उत्तर - जब आप File मेन्यू से Print का चयन करते हैं, तो पेजमेकर आपके चयनित (Selected) प्रिन्टर के लिये प्रिन्टिंग डायलॉग बॉक्स को प्रदर्शित करता हैं।

- अपने पब्लिकेशन को प्रिन्ट करने के लिये Print बटन पर क्लिक कीजिये।
- प्रिन्ट किये बिना प्रिन्टिंग डायलॉग बॉक्स को बंद करने तथा सेट प्रिन्टिंग विकल्पों की स्थिति में परिवर्तन करने के लिये Cancel बटन पर क्लिक कीजिये।
- प्रिन्ट डॉक्यूमेंट विकल्प को पुन: प्रदर्शित करने के लिये Document बटन पर क्लिक कीजिये।
- पोस्टस्क्रिप्ट प्रिन्टर के लिये अन्य प्रिन्टिंग विकल्पों को देखने के लिये Paper, Options, Color विकल्पों पर क्लिक कीजिये।
- पोस्टस्क्रिप्ट प्रिन्टर्स के लिये प्रिन्टर-विशिष्ट गुणों को देखने के लिये Features बटन पर क्लिक कीजिये।
- नॉन-पोस्टस्क्रिप्ट प्रिन्टर के लिये अन्य प्रिन्टिंग विकल्पों को देखने के लिये Setup, Options, Color विकल्पों पर क्लिक कीजिये।

ComputerHindiNotes.com

- प्रिन्ट डायलॉग बॉक्स की सेटिंग को पुन: सेट करने के लिये Reset बटन पर क्लिक कीजिये।

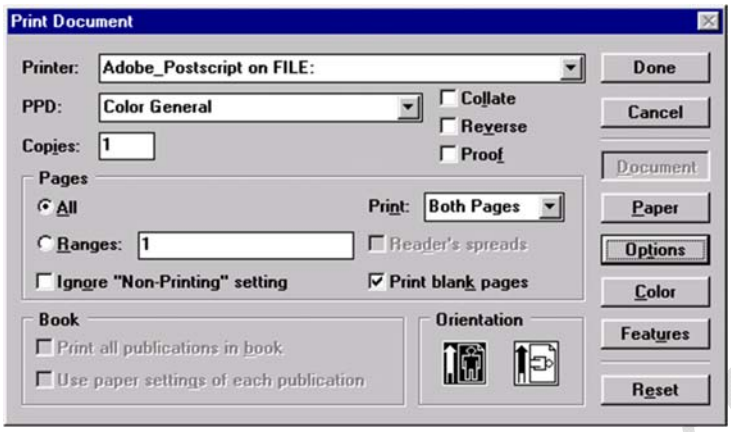

अब प्रिन्ट डायलॉग बॉक्स में उपलब्ध विभिन्न विकल्पों में से प्रत्येक के बारे में जानेंगे, जिनका प्रयोग आप पब्लिकेशन के लिये अपने डाक्यूमेंट को सेट करने के लिये करेंगे।

डॉक्यूमेंट प्रिन्ट करना (Print Document)

प्रिन्टर (Printer) :- यदि आपने एक से ज्यादा प्रिन्टरों के लिये ड्राइवर्स को लोड किया हैं, तो यहां से प्रिन्टर के प्रकार का चयन कीजिये, अन्यथा आपका चयनित डिफॉल्ट प्रिन्टर प्रदर्शित होगा।

प्रतियां (Copies) :- आप पेज की कितनी प्रतियां प्रिन्ट करना चाहते हैं, यह यहां चयन किया जाता हैं। डॉक्यूमेंट की कई प्रतियां प्रिन्ट करने के लिये, प्रतियों की संख्या टाइप कीजिये।

कोलैट (Collate) :- यह विकल्प प्रिन्ट हुए आउटपुट को मिश्रित करता हैं। यदि आप 1 से 5 संख्या तक के पेजों की दो प्रतियां प्रिन्ट करना चाहते हैं, तो यह कमांड पेज 1-5 को मिश्रित रूप में दो बार प्रिन्ट कर देगी।

रिवर्स (Reverse) :- इसका प्रयोग डॉक्यूमेंट पेज के प्रिन्ट क्रम को उल्टा करने के लिये किया जाता हैं। अर्थात् जब आप 1-5 को प्रिन्ट करेंगे, तो 5-1 प्रिन्ट होगा।

प्रूफ (Proof) :- इस विकल्प का चयन करके आप निम्न स्तरीय प्रूफ के रूप में पेजों को प्रिन्ट कर सकते हैं।

पेज (Pages) :- यदि आप All का चयन करते हैं, तो पूरा डॉक्यूमेंट प्रिन्ट होगा तथा अगर आप Ranges का चयन करते हैं, उन पेजों का चयन कर सकते हैं, जिनका प्रिन्ट आप प्राप्त करना चाहते हैं। उदाहरण के लिये, पेज 7 से 18 तक के पेजों को प्रिन्ट करने करने के लिये ranges रेडियो बटन का चयन करके टैक्स्ट बॉक्स में 7-18 टाइप कीजिये। यदि आप अलग-अलग पेजो को प्रिन्ट करना चाहते हैं, तो पेज संख्या को कॉमा से विभाजित कीजिये। उदाहरण के लिये, पेज 2, 6 और 12-18 को प्रिन्ट करने के लिये टैक्स्ट बॉक्स में 2, 6, 12-18 टाइप कीजिये।

ComputerHindiNotes.com

बुक (Book) :- यदि आप पुस्तक के पब्लिकेशन को प्रिन्ट करना चाहते हैं, तो यह विकल्प वैध (valid)होता हैं। इस विकल्प के द्वारा आप पुस्तक में स्थित सभी पब्लिकेशन्स के सभी पेजों को प्रिन्ट कर सकते हैं।

प्रिंट ड्राप डाउन लिस्ट (Print drop down list) :- 'Both Pages' का प्रयोग एक समय पर दोनों और डॉक्यूमेंट प्रिन्ट करने के लिये किया जाता हैं। 'Odd Pages' का प्रयोग विषम संख्या वाले पेजों को पहले प्रिन्ट करने के लिये किया जाता हैं। इसके बाद 'Even Pages' का चयन करके पेजों के पिछले भाग में सम संख्या वाले पेजों को प्रिन्ट किया जा सकता हैं।

ओरिएंटेशन (Orientation) :- इसमें दो आइकॉन होते हैं, पोर्ट्रेट (Portrait) और लैंडस्केप (landscape) उपयुक्त आइकॉन का चयन कीजिये।

इग्नॉर नॉन-प्रिन्टिंग (Ignore 'Non-Printing') :- यदि आप प्रिन्ट न होने वाले कैरेक्टर्स को भी प्रिन्ट करना चाहते हैं, तो इस विकल्प का चयन कीजिये।

रीडर्स स्प्रेड (Reader's Spreads) :- आप दो पेजों के फैलाव का मूल्यांकन कर सकते हैं।

प्रिन्ट के विकल्प (Print Options)

प्रिन्ट ऑप्शन को प्रिन्ट डॉक्यूमेंट डायलॉग बॉक्स के Options बटन पर क्लिक करके ओपन किया जा सकता हैं।

प्रतिशत (Percentage) :- आप पेज को प्रिन्ट करने से पहले उसके आकार को माप सकते हैं।

रिड्यूस टू फिट (Reduce to Fit) :- यदि पेपर का आकार आपके द्वारा डिजाइन किये गये डॉक्यूमेंट के आकार से कम हैं, तो इस कमांड का प्रयोग करके आप डॉक्यूमेंट का प्रिन्ट पेज पर प्राप्त कर सकते हैं, भले ही पेपर का आकार छोटा हो।

थम्बनेल (Thumbnails) :- थम्बनेल डॉक्यूमेंट के सभी पेजों पर एक नजर दौड़ाने, पूरी डिजाइन थीम को देखने का सबसे आसान तरीका हैं। इस विकल्प का प्रयोग करके आप सभी पेजों आइकॉन के रूप में प्रिन्ट करा सकते हैं। एक पेज में अधिकतम 16 थम्बनेल का प्रयोग किया जाता हैं।

ड्यूप्लैक्स (Duplex) :- ड्यूप्लैक्स का प्रयोग एक बार में पेज के दोनों ओर प्रिन्ट करने के लिये किया जाता हैं। यदि आप दोनों ओर सही प्रिन्ट चाहते हैं, तो आपको इसका ध्यान देना होगा। इसमें None, Short Edge तथा Long Edge जैसे विकल्प भी होते हैं।

ComputerHindiNotes.com

ऑप्शन्स (Options) :- इसमें कई विकल्प होते हैं, जिन्हें पेज पर स्वत: प्रिन्ट किया जा सकता हैं, जैसे कि प्रिन्टर का चिन्ह और पेज की सूचना,पेज सेटअप,पेज सेटअप डायलॉग बॉक्स में निर्दिष्ट पेज आकार पर फिट करने के लिये पूरे आकार को छोटे-छोटे खंडो मे विभाजित कर दिया जाता हैं। पेजमेकर स्वत: पेज के कोनों की प्रिन्ट न होने वाली मार्जिन के बाहर जाने वाले खंडो को ओवरलैप कर देता है या फिर यह आप स्वत: भी कर सकते हैं।

कलर विकल्प (Color Options) :- कलर ऑप्शन को प्रिन्ट डॉक्यूमेंट डायलॉग बॉक्स के Color बटन पर क्लिक करके ओपन किया जा सकता हैं। यह प्रिन्टिंग कलर पर नियंत्रण प्रदान करता हैं।

कम्पोजिट (Composite) :- जब इस विकल्प का चयन किया जाता हैं तो रंग विभाजित नहीं होते हैं बल्कि ये ग्रेशेड्स या रंगों के निकटतम अनुमान के रूप में प्रिन्ट होगा। रंगों को कलर प्रिन्टर पर प्रिन्ट करने के लिये, Composite बटन पर क्लिक कीजिये। यदि आप एक लेजर प्रिन्टर का प्रयोग कर रहे हैं, तो इस विकल्प का चयन करनें पर आपको ग्रेशेड्स प्राप्त होंगे।

प्रिन्ट कलर्स इन ब्लैक (Print Colors In Black) :- सभी कलर प्रिन्ट को स्टोर प्रक्रिया और स्पॉट पृथक्करण(Separations) के साथ उसी स्क्रीनिंग प्रतिशत में काले शेड में प्रिन्ट करता हैं।

पृथक्करण (Separations) :- जब आप पृथक्करण (Separations) रेडियो बटन का चयन करते हैं, तो सेपरेशन पॉप-अप लिस्ट सक्रिय हो जाती हैं। इसमें डॉक्यूमेंट के लिये परिभाषित किये गये स्पॉट और प्रोसेस कलर्स शामिल होते हैं। इससे उस पृथक्करण(Separation) का चयन कीजिये जिसे आप प्रिन्ट करना चाहते हैं और फिर पॉप-अप लिस्ट में एक X जोड़ने के लिये 'Print This Ink' चेक बॉक्स पर क्लिक कीजिये। पेजमेकर प्रिन्ट कॉलम में X वाले कलर्स के लिये पृथक्करण (Separation) को बस प्रिन्ट करेगा।

सीएमएस सेटअप (CMS Setup) :- इस कमांड का प्रयोग कलर मैनेजमेंट के लिये किया जाता हैं। पेजमेकर का ओपन स्ट्रक्चर आपको स्क्रीन पर प्रदर्शित और अंतिम आउटपुट में प्रिन्ट होने वाले कलर्स को बेहतर प्रबंधित करने के लिये एक संगत कलर मैनेजमेंट सिस्टम (Color Management System or CMS) का प्रयोग करने देता हैं।पब्लिकेशन का निर्माण करने के लिये उपयोग किये जाने वाला प्रत्येक डिवाइस, स्कैनर, मॉनीटर, डेस्कटॉप प्रिन्टर तथा प्रिन्टिंग प्रेस, रंगों के सीमित सेट को प्रदर्शित या पुन: निर्मित कर सकती हैं। रंग का वह स्पेक्ट्रम जिसका पुननिर्माण एक डिवाइस कर सकती हैं, उसे उसकी रंग विस्तार (Color Gamut) कहते हैं। कई डिवाइसों का कलर गैमट निर्माता द्वारा डिवाइस प्रोफाइल नामक एक फाइल में रिकॉर्ड किया जात हैं।

ComputerHindiNotes.com

CMS (Color Management System) एक डिवाइस के रंगों को कलर गैमट (Color Gamut),या कलर स्पेस से डिवाइस स्वंतत्र मॉडल में अनुवादित करता हैं तथा फिर कलर गैमट पर कलर सूचना को फिट करता हैं।CMS प्रत्येक डिवाइस के रंग के प्रॉपर्टी उसे डिवाइस प्रोफाइल से प्राप्त करता हैं, तथा डिवाइस पर निर्भर रंग सूचना का मापन डिवाइसों के बीच करता हैं। रंग प्रबंध न उन डिवाइसों में बहुत महत्वपूर्ण है जिनमें छोटे कलर गैमट होते हैं, जैसे कि डेस्कटॉप प्रिन्टर। कलर गैमट जितना छोटा होगा, यह CMS के साथ कलर गैमट के अंतरों का सामंजस्य स्थापित करने में यह उतना ही उपयोगी होगा।

प्रिन्ट ऑल इंक (Print All Inks) :- इस कमांड का प्रयोग X वाले सभी रंगों को चिन्हित करने के लिये किया जाता हैं।

प्रिन्ट नो इंक (print No Inks) :- इस कमांड का प्रयोग रंगों की लिस्ट से सभी X को हटाने के लिये किया जाता हैं।

ऑल टू प्रोसेस (All to Process) :- इस कमांड का प्रयोग सभी स्पॉट कलर सेपरेशन्स को अस्थायी रूप से प्रोसेस सेपरेशन्स में परिवर्तित करने के लिये किया जाता हैं।

रिमूव अनयूज्ड (Remove Unused) :- इस कमांड का प्रयोग उपयोग न हुए रंग को हटाने के लिये किया जाता हैं।

डॉक्यूमेंट को प्रिन्ट करना (Printing Document)

- File मेन्यू पर क्लिक कीजिये।
- Print विकल्प का चयन कीजिये या फिर कीबोर्ड से Ctrl + P दबाइये। ऐसा करते ही Print Document डायलॉग बॉक्स चित्र की तरह ओपन हो जाएगा।
- प्रिन्ट डॉक्यूमेंट डायलॉग बाक्स में, Copies टैक्स्ट बॉक्स में 4 टाइप कीजिये।
- Pages रेडियो बटन विकल्प में, Range का चयन कीजिये।
- रेंज टैक्स्ट बॉक्स में 1 – 10 टाइप कीजिये।
- Options बटन पर क्लिक कीजिये। ऐसा करते ही Print Options डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर प्रदर्शित होने लगेगा।
- प्रिन्ट ऑप्शन डायलॉग बॉक्स में Reduce to fit रेडियो बटन का चयन करके डॉक्यूमेंट को पेज के आकार में फिट कीजिये।

ComputerHindiNotes.com

- Color बटन पर क्लिक कीजिये। ऐसा करते ही Print Color डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर प्रदर्शित होने लगेगा।
- प्रिन्ट कलर डायलॉग बॉक्स में Separations रेडियो बटन का चयन कीजिये।
- Print all inks विकल्प का चयन कीजिये।
- अंत में Print बटन पर क्लिक कीजिये। डॉक्यूमेंट प्रिन्ट हो जाएगा।

प्रश्न 15 – पेजमेकर में कॉलम इन्सर्ट करने की प्रक्रिया को समझाइए|

उत्तर - पेजमेकर में समाचार पत्र और ब्रोशर बनाते समय अक्सर हमे कॉलम के उपयोग की आवश्यकता होती है। आप अपने टेक्स्ट ब्लॉक की चौड़ाई सेट करके मैन्युअल रूप से कॉलम बना सकते हैं, तो कॉलम बनाकर इस प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है। जैसे ही आप पेजमेकर के साथ कॉलम बनाते हैं, गाइड का एक सेट (पेज मार्जिन की तरह) पेज में जुड़ जाता है। जब आप पहली बार अपना डॉक्यूमेंट बनाते हैं, तो इसका डिफ़ॉल्ट प्रति पेज एक कॉलम होता है। पेजमेकर एक पेज पर 20 कॉलम बनाने का विकल्प प्रदान करता है। प्रत्येक कॉलम के बीच में एक “गटर” होगा। गटर प्रत्येक कॉलम के बीच कुछ सफेद स्थान जोड़ता है इसलिए अगले कॉलम के ऊपर टेक्स्ट दिखाई नहीं देगा।

नोट: यदि आप अपने डॉक्यूमेंट के सभी पेज के लिए कॉलम सेट करना चाहते हैं, तो उन्हें मास्टर पेज पर सेट करें।

पेजमेकर 7.0 में कॉलम कैसे इन्सर्ट करें

- कॉलम बनाने के लिए सबसे पहले आप Layout Menu पर क्लिक करे और Column Guide विकल्प चुने|

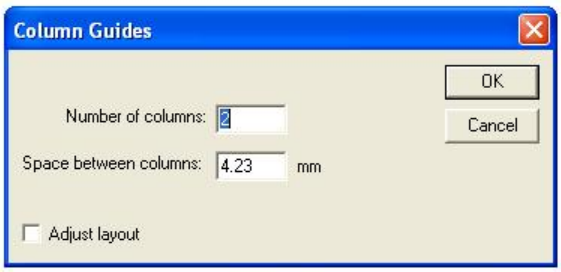

- यह कमांड एक समान चौड़ाई के कॉलमों की संख्या बनाता है, उन्हें पेज के मार्जिन के भीतर फिट करता है। यदि टेक्स्ट या ग्राफिक्स पहले से ही पेज पर हैं, तो पेजमेकर रिवाइज्ड कॉलम सेटअप के साथ अलाइन

ComputerHindiNotes.com

करने के लिए उन्हें बदल सकता है यदि आप Column Guide डायलॉग बॉक्स में adjust layout का चयन करते हैं।

- Utilities> Plug in> Grid Manager कमांड आपके द्वारा निर्दिष्ट किसी भी क्षेत्र के भीतर कॉलम फिट बैठता है, या एक निर्दिष्ट चौड़ाई के कॉलम बनाता है।
- आप एक पेज पर 20 कॉलम तक बना सकते हैं।

पेज पर कॉलम सेट कैसे करें

- पेज या मास्टर पेज पर जाएं जहाँ आप कॉलम चाहते हैं।
- layout Menu> Column Guide चुनें। आपके सामने Column Guide डायलॉग बॉक्स खुल जायेंगा|
- Number of Columns बॉक्स में इच्छित कॉलम की संख्या और Space Between Columns वाले बॉक्स में कॉलम के बीच का स्थान (गटर) टाइप करें। यदि आप बाएँ और दाएँ पेज अलग-अलग सेट कर रहे हैं, तो दोनों पेजों के लिए मान टाइप करें।
- यदि आप कॉलम सेटअप में समायोजित करने के लिए पेज पर मौजूदा टेक्स्ट और ग्राफिक्स चाहते हैं तो Adjust layout का चयन करें और फिर Ok पर क्लिक करें। पेजमेकर कॉलम की निर्दिष्ट संख्या बनाता है, समान रूप से स्थान और समान आकार।

ComputerHindiNotes.com

UNIT - 4

प्रश्न 16 - फोटोशॉप का परिचय तथा इसकी विशेषताए लिखिए|

उत्तर - फोटोशॉप एक इमेज एडिटिंग सॉफ्टवेयर हैं जिसे Adobe कंपनी ने बनाया है फ़ोटोशॉप 1988 में थॉमस और जॉन नॉल द्वारा बनाया गया था फोटोशॉप में स्कैन की गई इमेज, डिजिटल कैमरे द्वारा ली गई फोटो, इन्टरनेट द्वारा डाउनलोड की गई फोटो आदि का उपयोग किया जा सकता है|

इसके अतिरिक्त इसमें विभिन्न टूल होते हैं जिसकी सहायता से आप इस सॉफ्टवेयर में अपनी इच्छा अनुसार परिवर्तन कर सकते हैं Photoshop के द्वारा पिक्चर को एडिट कर सकते हैं किसी भी पिक्चर में इफेक्ट डाल सकते हैं तथा नई डिजाइन बना सकते हैं आजकल इस सॉफ्टवेयर का उपयोग मुख्यतः फोटो बनाने, एल्बम बनाने, फ्लेक्स बनाने, पोस्टर बनाने, बुक कवर बनाने आदि में किया जाता है|

फोटोशॉप की विशेषताएं (Features of Photoshop):-

1. फोटोशॉप में बनी फाइलों को आसानी से वेब पेज में डाला जा सकता है|

2. Photoshop के कार्य को अनडू ऑप्शन के द्वारा हटाया भी जा सकता है|

3. इसमें हिस्ट्री पैलेट की सुविधा दी गई है जिसमें पुरानी कार्य की सूची दिखाई जाती है इस पैलेट के उपयोग से फोटो या इमेज को पुरानी स्थिति में ला सकते हैं|

4. फोटोशॉप में इमेज को सेलेक्ट करने के लिए बहुत से टूल हैं जिनके द्वारा इमेज के अलग-अलग पार्ट को सिलेक्ट किया जा सकता है इस सुविधा से फोटोशॉप में किसी भी फोटो का काम बहुत आसानी से किया जा सकता है|

5. फोटोशॉप में वांछित रंगों को सुधारने या बदलने का कार्य फोटोशॉप में बहुत तेजी से एवं आसानी से किया जा सकता है|

6. फोटोशॉप में बहुत से इफेक्टिव टूल्स दिए होते हैं जिनकी मदद से फोटो में अलग अलग इफेक्ट आसानी से डाल सकते हैं|

7. Photoshop के द्वारा किसी भी इमेज के आकार को आसानी से बदला जा सकता है तथा उस इमेज को रोटेट भी किया जा सकता है|

8. फोटोशॉप में इमेज पर आसानी से कार्य करने के लिए लेयर का उपयोग किया जाता है लेयर सुविधा के माध्यम से हम इमेज को अलग-अलग हिस्सों में बाँट कर उस पर कार्य कर सकते हैं|

ComputerHindiNotes.com

9. फोटोशॉप के द्वारा बनाई गई इमेज को अलग अलग इमेज एक्सटेंशन में सेव किया जा सकता है जैसे Bitmap, GIF, JPG, PNG, PDF आदि|

प्रश्न 17 - ग्राफिक फाईल क्या है वेक्टर फाइल और रास्टर फाइल क्या हैं इनमे अंतर लिखिए|

उत्तर - किसी भी ग्राफिक्स सॉफ्टवेयर में कंप्यूटर पर ही तैयार की गई इमेज, स्कैनर द्वारा स्कैन की गई इमेज तथा डिजिटल कैमरे द्वारा ली गई इमेज ग्राफिक फाइल कहलाती है कंप्यूटर ग्राफ़िक दो प्रकार के होते हैं – Vector Image और Raster Image

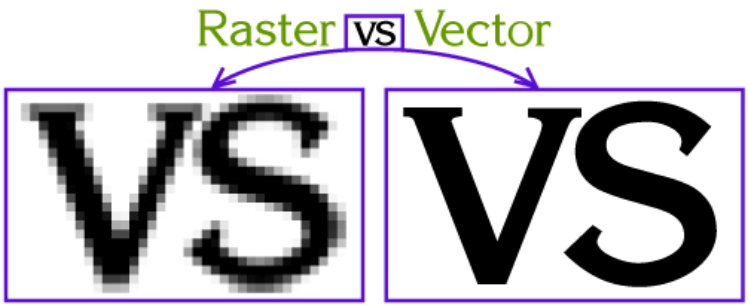

रास्टर इमेज (Raster Image)

Raster Image वे इमेज होती हैं जो पिक्सेल से मिलकर बनती हैं इमेज में पिक्सेल का प्रयोग होने के कारण इमेज के आकार को बढ़ाने पर इमेज की प्रॉपर्टीवत्ता कम होती जाती हैं क्योकि इमेज के आकार को बढ़ा करने पर पिक्सेल दूर दूर होने लगते हैं पिक्सेल दूर होने के कारण इमेज स्पष्ट दिखाई नहीं देती हैं|

रास्टर इमेज में प्रत्येक पिक्सल के रंग की वैल्यू स्पेसिफिक होती हैं। इमेज का डाटा एक सीरीज की लाइन में होता हैं। इसमें इमेज एक ग्रिड में होती हैं। इसमें जैसे-जैसे इमेज को जूम करते हैं। इमेज फटने लगती हैं। इन्हें Bitmap इमेज भी कहते हैं।

Example :

Tiff – Taged Image file format

PSD – Photoshop Document

EPS – Encapsulated Post Script

JPG – Joint Photographic Expert Group

PNG – Portable Network Graphics

ComputerHindi.com

GIF – Graphical Interchange format

BMP – Windows BITMAP

वेक्टर इमेज (vector Image)

वेक्टर इमेज वे इमेज होती हैं जो टेक्स्ट, लाइन तथा आकृति से मिलकर बनती हैं यह इमेज पिक्सेल से मिलकर नहीं बनती हैं इसलिए इनके आकार मैं कोई भी परिवर्तन करने पर इनकी प्रॉपर्टीवत्ता पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता |

Example :

EMF – Enhanced Meta File

EPS – Encapsulated Post Script

PDF – Portable Document format

PS – Post Script

Difference Between Vector Image and Raster Image

वेक्टर	रास्टर
इसे Mathematical Equations (Line & Curve) से दर्शाया जाता हैं।	इसे पिक्सल के द्वारा दर्शाया जाता हैं।
इसे आकार से मापा जा सकता हैं।	इसे मापा नहीं जा सकता।
इसका रिजोलुशन से कोई मतलब नहीं हैं।	यह रिजोल्यूशन पर निर्भर करता हैं।
इसे लोगो (Logos) और text में प्रयोग करते हैं।	इसे फोटो में प्रयोग करते हैं।

वेक्टर और रास्टर इमेज के लाभ और हानि

Vector Image के लाभ, हानि निम्न प्रकार हैं –

Advantage of Vector image

ComputerHindiNotes.com

- इसमें डाटा अपने औरिजनल रेजोल्यूशन में प्रदर्शित होता हैं।
- इसमें आउटपुट आमतौर पर अधिक अच्छा देता हैं।
- वेक्टर फॉर्म में किसी डेटा के रूपान्तरण की जरूरत नहीं होती।
- डेटा का स्टीक भौगोलिक स्थान बनाए रखा जाता हैं।

Disadvantage of Vector image

- प्रत्येक शीर्ष के स्थान को स्पष्ट रूप से स्टोर करने की जरूरत हैं।
- प्रभावी विशलेषण के लिये, वेक्टर डाटा को टोपोजिकल (Topological) संरचना में परिवर्तित किया जाना चाहिए।
- बहुभुज के अंदर पैतृक विश्लेषण और फिल्टर करना कठिन हैं।
- Raster Image – रास्टर ग्राफिक के लाभ, हानि निम्न प्रकार हैं –

Advantage of Raster image

- प्रत्येक सेल की भौगोलिक स्थिति सेल मैट्रिक्स में अपनी स्थिति में निहित हैं।
- डेटा संग्रहण तकनीक के कारण, डेटा विश्लेषण आमतौर पर प्रोग्राम के लिए आसान होता हैं और प्रदर्शन करने के लिए अग्रसर रहता हैं।
- विस्तृत छवि के लिए यह बहुत अच्छा माना जाता हैं।

Disadvantage of Raster image

- सेल का आकार उस Resolution को निर्धारित करता हैं,जिस पर डाटा का प्रतिनिधित्व किया जाता हैं।
- इमेज को बड़ा करने पर Pixel कट जाते हैं ओर पिक्चर खराब हो जाती हैं।
- इनमें बनी फाइल का आकार अधिक होता हैं।

प्रश्न 18 – फोटोशॉप में कलर मोड क्या हैं? यह कितने प्रकार के होते हैं|

उत्तर - Color model प्राइमरी रंगों के एक छोटे से सेट में से रंगों की एक पूरी रेंज तैयार करने का एक क्रमबद्ध सिस्टम होता है| कलर models दो तरह के होते हैं एक वह जो additive color होते हैं और दूसरे वह जो subtraction color होते हैं| additive color models लाइट का प्रयोग रंगों को डिस्प्ले करने के लिए करते हैं जबकि subtraction color model से प्रिंटिंग करने के लिए करते हैं| additive color models में जो color

ComputerHindiNotes.com

महसूस किए जाते हैं वह ट्रांसमिट की गई लाइट का परिणाम होते हैं जबकि subtraction models में दिखने वाले color Replaced लाइट के परिणाम होते हैं|

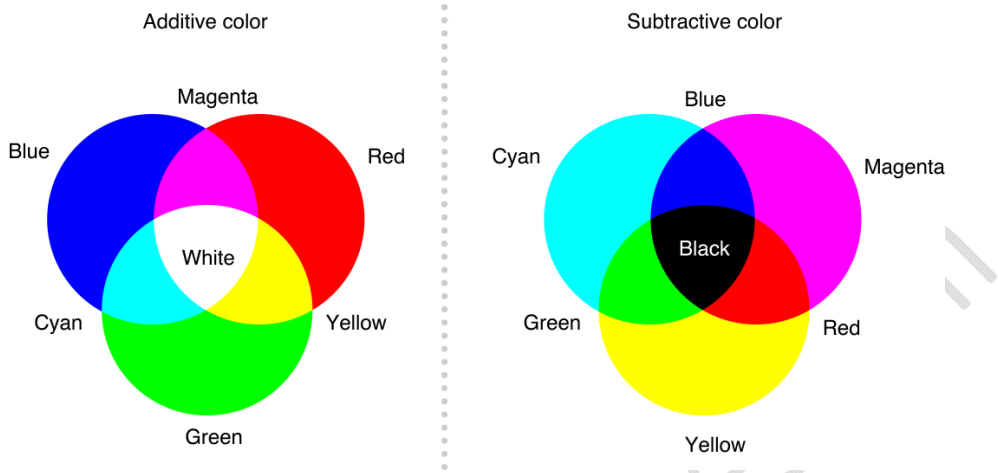

चूँकि additive color models ट्रांसमिट की गई लाइट के परिणाम स्वरुप रंगों को डिस्प्ले करते हैं| अतः लाइट की पूरी अनुपस्थिति को काला कहा जा सकता है subtraction color models अवशोषित की गई लाइट के परिणाम स्वरुप रंगों को डिस्प्ले करते हैं और इनमें ink की प्रिंटिंग होती है जैसे-जैसे ज्यादा ink जोड़ी जाती है कम से कम लाइट Replaced होती है| जब ink पूर्णतः अनुपस्थित हो जाती है तो सतह से Replaced होने वाली परिणामी लाइट को सफेद माना जाता है| प्रत्येक कलर डिस्प्ले सिस्टम किसी भी समय केवल सीमित संख्या में ही रंगों को हैंडल करने में सक्षम होते हैं| न्यूनतम क्षमता वाले सिस्टम भी किसी भी दी गई इमेज के लिए 16 अलग-अलग रंगों को दिखाने में समर्थ होते हैं| जबकि उच्च क्षमता वाले सिस्टम एक सिंगल स्क्रीन में ही 16 मिलियन रंगों या उससे अधिक रंगों को दिखाने में समर्थ होते हैं|

मॉनिटर द्वारा हैंडल किए जा सकने वाले रंगों की कुल संख्या वीडियो कंट्रोलर कार्ड की मेमोरी क्षमता पर निर्भर होती है| यह कार्ड कंप्यूटर एवं डिस्प्ले डिवाइस के बीच इंटरफ़ेस की तरह कार्य करता है इससे Video Random Access Memory (VRAM) के नाम से जाना जाता है|

कलर डिस्प्ले सिस्टम की पूरी की पूरी स्क्रीन छोटे-छोटे बिंदुओं से बनी होती है जिन्हें पिक्सेल कहा जाता है| समय के किसी भी छोटे अंतराल में एक पिक्सेल द्वारा डिस्प्ले किए जाने वाले color Video Random Access Memory के कलर डेटा के रूप में स्टोर रहते हैं| इस तरह से रंगों की कुल संख्या जो सिस्टम द्वारा किसी भी संख्या डिस्प्ले से की जा सकती हैं कलर डेटा की मात्रा पर निर्भर करती है| जो Video Random Access Memory के भीतर स्टोर किया जा सकता है| Video Random Access Memory में प्रत्येक bit मैं स्टोर किए जाने वाले

ComputerHindiNotes

रंगों की संख्या वास्तव में सभी संभावित 0-1 कॉन्बिनेशन की कुल संख्या होती है| अंततः Video Random Access Memory में मेमोरी बिट्स की कुल संख्या जो कलर डाटा को स्टोर करने के लिए समर्पित होती है रंगों की कुल संख्या को निश्चित करती है जो किसी भी समय डिस्प्ले के लिए उपलब्ध होंगे|

स्क्रीन छोटे-छोटे बिंदुओं से बनी होती है जिन्हें पिक्सेल कहा जाता है किसी भी एक समय पर स्क्रीन पर ऐसे कई पिक्सेल होते हैं जिन्हें मॉनीटर का रिजोल्यूशन कहा जाता है|

कंप्यूटर मॉनिटर एक्सेल का color आमतौर पर लाल, हरे एवं नीले एक मात्रा के रूप में व्यक्त किया जाता है| यह अधिक कंप्यूटर मेमोरी लेता है और इसकी प्रोसेसिंग स्पीड भी अधिक होती है ताकि लाल, हरे और नीले रंगों की वैल्यू के अधिक संयोजनों को मैनेज और डिस्प्ले किया जा सके, जो आंखों के लिए दृश्य रंगों के ज्यादा से ज्यादा शेड्स बनाता है|

Models या तरीके जो computer terms के रूप में रंगों का निर्धारण करने के लिए प्रयुक्त होते हैं जैसे RGB, HSB, CMYK, CIE आदि|

एक कलर model को परिभाषित करने का एक तरीका है दो या दो से अधिक प्राइमरी रंगों के सेट को निर्धारित करना| जो विभिन्न अन्य रंगों को बनाने के लिए मिलाए जाते हैं 3 प्राइमरी रंगों के साथ परिभाषित कॉमन कलर models है RGB और CMYK MODELS| वीडियो मॉनिटर डिस्प्ले RGB model का प्रयोग करते हैं जबकि हार्ड कॉपी डिवाइसेस CMYK model का प्रयोग करके कलर आउटपुट तैयार करते हैं| 24 bit RGB model का प्रयोग करके आप एक निर्धारित जिसमें लाल, हरे और नीले color का प्रत्येक परिणाम को एक वैल्यू का सेट किया जाता है जो 0 से लेकर 255 तक 256 choices की रेंज के अंदर होती है

Different types of Color Models

CMYK model

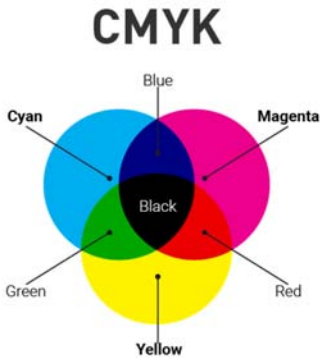

Cyan, magenta, yellow एवं black कलर model मल्टीमीडिया प्रोडक्शन में कम प्रयोग किया जाता है| यह model डेस्कटॉप पब्लिशिंग की प्रिंटिंग डिवाइस में ज्यादा प्रयोग होता है| यह कलर subtraction model है और यह केवल कलर प्रिंटिंग डिवाइस में ही सबसे ज्यादा प्रयोग में लाया जाता है|

Chromaticity model

ComputerHindiNotes.com

Chromaticity model कलर वैल्यूज को frequency saturation एवं luminance के रूप में दर्शाता है| यह थ्री डायमेंशन model है जिसमें 2 डायमेंशन X और Y रंगों को परिभाषित करते हैं और तीसरा डायमेंशन luminance को परिभाषित करता है| यह एक additive model है क्योंकि x और y को जोड़कर अलग-अलग color बनाए जाते हैं| CIE model की तुलना मानव की रंगों को पहचानने की क्षमता से की जाती सकती हैं लेकिन कुछ डिवाइस जैसे स्केनर इस प्रक्रिया को दोबारा तैयार करने में असमर्थ होते हैं|

HSB एवं HSL

लाइट के स्त्रोतों को उनकी बेहतर frequency (या hue), ल्यूमिनेंस (या brightness) एवम शुद्धता (या saturation) के रूप में वर्णित किया जाता है| कॉन्प्लिमेंटरी कलर स्त्रोत वह होते हैं जो मिलकर सफेद लाइट बनाते हैं| saturation color की गहराई होती है लाइटनेस या ब्राइटनेस किसी भी color में मिलाया गया काले या सफेद color का प्रतिशत होता है 100 प्रतिशत की lightness से सफेद color बनेगा 0% की lightness से काला और एक शुद्ध color में 50% lightness होती है|

HSB और HSL models में आप HUE या कलर को कलर व्हील पर 0 से 360 डिग्री के एंगल के रूप में दर्शाते हैं तथा saturation, brightness एवं lightness को प्रतिशत के रूप में

RGB MODEL

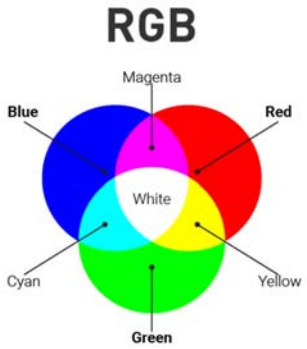

टेलीविजन, मॉनिटर और कैमरा हार्डवेयर मैन्युफैक्चर ने RGB model को इमेज कैप्चर डिवाइसेस की डिजाइन के रूप में विकसित किया है| यह model addictive है जिसमें लाल, हरे और नीले की अलग-अलग गहराइयों को मिलाकर विभिन्न color उत्पन्न किए जाते हैं यह model इमेज प्रोसेसिंग के लिए ठीक नहीं है|

YIQ, YUV और YCC MODEL

YIQ और YUV का विकास टीवी प्रसारण के लिए किया गया था| यह luminance and chrominance पर आधारित है जो एक वेब के एंप्लीट्यूड एवं फेज के रूप में व्यक्त की जाती है| YUV model subtraction model है YUV model का प्रयोग फुल मोशन वीडियो में होता है| फोटो YCC को Kodak कंपनी ने विकसित किया था ताकि नेगेटिव स्लाइड्स एवं अन्य हाई क्वालिटी इनपुट से डिजिटल कलर इमाजों का एक स्पष्ट प्रदर्शन करने के लिए परिभाषा प्रदान की जा सके|

प्रश्न 19 – फोटोशॉप में नयी इमेज बनाने की प्रक्रिया समझाइए|

ComputerHindiNotes.com

उत्तर - एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में नयी इमेज क्रिएट करने के लिये File मेन्यू के New ऑप्शन को सिलेक्ट करके या की-बोर्ड पर Ctrl 'की' तथा N 'की' को एक साथ दबाने पर New डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित होता हैं।

- इस डायलॉग बॉक्स में Name टैक्स्ट बॉक्स में Untitled -1 प्रदर्शित होता, इसमें क्रिएट की जाने वाली नई इमेज की फाइल का नाम टाइप किया जाता हैं। यदि यहां पर इमेज फाइल का नाम टाइप नहीं करते हैं, तो फोटोशॉप स्वत: ही इस फाइल का नाम Untitled -1 दे देता हैं।
- New डायलॉग बॉक्स में Preset लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में से क्रिएट की जाने वाली इमेज के लिये फोटोशॉप में पूर्वनिर्धारित आकारों में से वांछित आकार को सिलेक्ट किया जा सकता हैं।

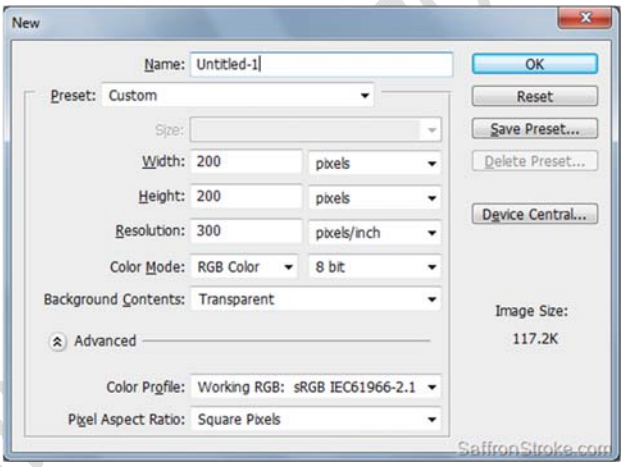

- New डायलॉग बॉक्स में Width टैक्स्ट बॉक्स में, Preset में अपने जो पेज का आकार चुना होगा उसके अनुसार इमेज की चौड़ाई दिखाई देने लगेगी| यदि आप इसमें परिर्वतन करते हैं तो Preset के सामने दिये गये बॉक्स में Custom option प्रदर्शित होने लगता हैं।
- इमेज की चौड़ाई को set करने के लिए इसके आगे स्थित लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली विभिन्न इकाईयों की सूची में से वांछित इकाई को सिलेक्ट करके किया जाता हैं। इसी प्रकार New डायलॉग बॉक्स में Height टैक्स्ट बॉक्स में इमेज की वांछित Height और उसकी इकाई का निर्धारण किया जाता हैं।
- जो इमेज तैयार की जा रही हैं उसका इमेज फाइल का रिजॉल्यूशन सेट करने के लिए इस ऑप्शन का प्रयोग किया जाता हैं। रिजॉल्यूशन के लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में स्थित दो ऑप्शन्स – Pixels/inch एवं Pixels/cm में से वांछित ऑप्शन को सिलेक्ट करके किया जाता हैं।

- क्रिएट की जाने वाली इमेज के कलर मोड को बदलने के लिए New डायलॉग बॉक्स में Color Mode लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में स्थित ऑप्शन्स में से किसी एक को सिलेक्ट करके किया जाता हैं।
- यदि क्रिएट की जाने वाली इमेज पर केवल सफेद एवं काले रंग में ही कार्य किया जाना हैं, तो इस सूची में स्थित पहले दो कलर मोड्स Bitmap और Grayscale में से किसी एक को सिलेक्ट किया जाता हैं। Bitmap मोड को सिलेक्ट करने पर केवल सफेद एवं काले रंग का ही प्रयोग किया जा सकता हैं जबकि Grayscale मोड को सिलेक्ट करने पर सफेद एवं काले रंग के साथ-साथ इन दोनों रंगों के सम्मिश्रण का भी प्रयोग किया जा सकता हैं। लिस्ट में स्थित अन्य तीनों मोड्स को सिलेक्ट करके किसी भी प्रकार के रंग का प्रयोग इमेज पर किया जा सकता हैं। चूंकि इमेज को कलर मोड CYMK होने पर इसके लिये फोटोशॉप के सीमित फिल्टर्स ही उपलब्ध होते हैं अत: इमेज फाइल का कलर मोड RGB निर्धारित किया जाना अधिक उपयुक्त रहता हैं।
- क्रिएट की जाने वाली इमेज का बैकग्राउण्ड सेट करने के लिए New डायलॉग बॉक्स में Background Contents लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में स्थित तीन ऑप्शन्स में से किसी एक ऑप्शन को सिलेक्ट करके किया जाता हैं। White ऑप्शन को सिलेक्ट करने पर इमेज का बैकग्राउण्ड white दिखाई देता हैं। यदि क्रिएट की जाने वाली इमेज के बैकग्राउण्ड में कलर सेट करना हैं तो दूसरे ऑप्शन Background Color को सिलेक्ट किया जाता हैं। इस सूची में से Transparent ऑप्शन को सिलेक्ट करने पर क्रिएट की जाने वाली इमेज का बैकग्राउण्ड पारदर्शी होती हैं।
- सभी ऑप्शन सेट कर देने के बाद New डायलॉग बॉक्स में ok बटन पर क्लिक करके या Enter 'की' को दबाकर नयी इमेज फाइल एडोब फोटोशॉप में क्रिएट की जा सकती हैं।

प्रश्न 20 – फोटोशॉप में प्रयोग होने वाले विभिन्न फाइल एक्सटेंशन को समझाइए|

उत्तर - फोटोशॉप में बनाई गई इमेज by default .PSD फॉर्मेट में सेव होती हैं .PSD फोटोशॉप का एक्सटेंशन होता हैं जिसका पूरा नाम फोटोशॉप डॉक्यूमेंट हैं परन्तु फोटोशॉप में बनाई गई फाइल को हम किसी भी फाइल फॉर्मेट में सेव कर सकते हैं जैसे – GIF, IMG, PNG, JPG, WPG, tiff, EPS.

1. GIF (Graphical image file)
2. IMG file format
3. Tiff (Tag image file format)

ComputerHindiNotes.com

4. EPS (Encapsulated postscript)
5. WPG file format
6. JPEG (Joint photographic expert group)
7. BMP (Bitmap file format)
8. PNG (Portable network graphic)

जीआईएफ फाइल फॉर्मेट (GIF file format)

जी आई एफ का पूरा नाम ग्राफिक्स इंटरचेंज फॉर्मेट (Graphic file format) हैं इस फॉर्मेट का प्रयोग मुख्य रूप से सिंथेटिक, डायग्राम, लोगोस, नेविगेशन बटन आदि फ्लैट इमेज बनाने के लिए किया जाता है यह रंगो के लिए कलर लुकअप टेबल का प्रयोग करता है और केवल 256 Colors प्रति इमेज के लिए प्रयोग करता है|

आई एम जी फाइल फॉर्मेट (IMG file format)

आई एम जी फाइल फॉर्मेट को मूलतः IMG प्रोग्राम के साथ कार्य करने के लिए बनाया गया था यह फाइल फॉर्मेट मोनोक्रोम और ग्रे स्केल इमेज को हैंडल करता है|

टिफ फाइल फॉर्मेट (TIFF file format)

tiff का पूरा नाम टैग इमेज फाइल फॉर्मेट (Tag image file format) है इस प्रकार की इमेज फाइल का एक्सटेंशन .tif होता है इसलिए इनको टिफ फाइल कहा जाता है यह एक ऐसा फाइल फॉर्मेट है जिसे व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है और यह सभी प्लेटफॉर्म्स जैसे Map, Windows, Unix को सपोर्ट करता है यह RGB, CMYK कलर को सपोर्ट करता है इस फाइल का आकार अपेक्षाकृत अधिक होता है अर्थात यह फाइल्स अधिक मेमोरी का प्रयोग करते हैं|

EPS file format

EPF फाइल को एनकेप्सुलेटेड पोस्ट स्क्रिप्ट फाइल (Encapsulated Post Script) भी कहा जाता है यह वह इमेज होती हैं जिनका प्रयोग ग्राफिक्स फाइल को रेंडर करने के लिए किया जाता है ताकि इनको किसी अन्य पोस्ट स्क्रिप्ट डॉक्यूमेंट में प्रयोग किया जा सके ईपीएस फाइल का मुख्य लाभ यह है कि इसका आकार इसकी गुणवत्ता में परिवर्तन किए बिना परिवर्तित किया जा सकता है ईपीएस फाइल की आवश्यकता उच्च स्तरीय प्रिंटिंग के लिए होती है|

ComputerHindiNotes.com

WPG file format

WPG फाइल फॉर्मेट का प्रयोग word perfect द्वारा किया जाता है इससे पहले इसका प्रयोग वर्ल्ड पर्फेक्ट 5.0 के साथ किया गया था इस फॉर्मेट की फाइल्स vector इमेज को सपोर्ट करती थी|

JPG file format

JPG फाइल फॉर्मेट का पूरा नाम जॉइंट फोटोग्राफिक एक्सपर्ट ग्रुप (Joint photographic expert group) है यह एक raster ग्राफिक्स फॉर्मेट है जो dos, windows, Macintosh, unix आदि के लिए स्पेस की बचत करने के लिए किसी इमेज को कंप्रेस करती है जेपीजी फाइल को लगभग सभी सॉफ्टवेयर मैं इंपोर्ट किया जा सकता है यह सबसे अधिक प्रयोग होने वाला इमेज फाइल फॉर्मेट है सामान्यतः जेपीजी फाइल्स RGB कलर मोड में होती हैं अतः इन को प्रिंटिंग के लिए प्रयोग किए जाने पर इनका कलर मोड RGB से CMYK में परिवर्तित किया जा सकता है|

PNG file format

PNG को Portable Network Graphics कहा जाता हैं यह इंटरनेट पर सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला दोषरहित इमेज कम्प्रेशन फ़ॉर्मेट हैं| यह GIF कि तरह 8-बिट कलर को सपोर्ट करता है दोषरहित इमेज कम्प्रेशन का अर्थ हैं कि वे एडिटिंग के दौरान अपनी क्वालिटी नहीं खोती| PNG मे ट्रांसपेरेंसी के कई ऑप्शंस हैं| PNG-24 और PNG-32 ट्रांसपेरेंसी को सपोर्ट करती हैं, यह GIF की तुलना में अधिक एडवांस हैं।

ComputerHindiNotes.com

UNIT - 5

प्रश्न 21 - फोटोशॉप के वर्क एरिया को समझाइए|

उत्तर - फोटोशॉप में डिजिटल इमेज को खोलने तथा एडिट करने के लिए tools group, menu command तथा pallets के फंक्शन को मुख्यत प्रयोग किया जाता हैं |

- Title bar
- Menu bar
- Option bar
- Tool box
- pallets

Title bar -

फोटोशोप की विंडो में सबसे ऊपर दिखाई देने वाली बार को टाइटल बार कहाँ जाता हैं इस बार में सॉफ्टवेर का टाइटल दिखाई देता है और right side तीन कण्ट्रोल बटन होते हैं minimize, maximize, close button.

Menu bar –

मेनू बार का प्रयोग मेनू डिस्प्ले करने के लिए किया जाता हैं जिसमे फोटोशोप के कमांड शामिल हैं जैसे file menu, edit menu, view menu, image menu आदि | इन मेनू के अन्दर sub menu होते हैं जिनसे इमेज पर आसानी से कार्य किया जा सकता हैं

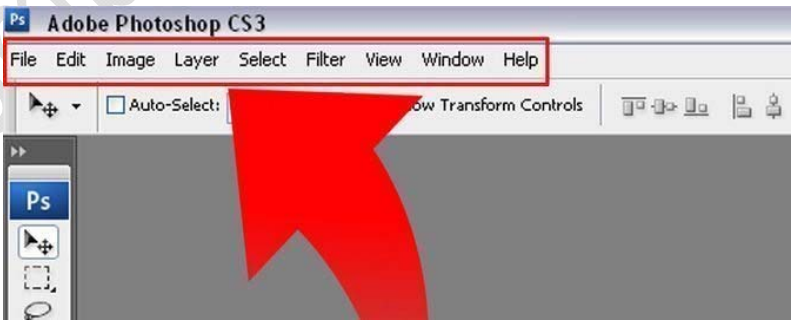

Tool box –

ComputerHindiNotes.com

यह अलग अलग तरह के आइकॉन को दर्शाता हैं जिसके प्रत्येक टूल का प्रयोग इमेज को विभिन्न तरीकों से आकर्षक बनाने के लिए किया जाता हैं|

Option bar

यह उन कंट्रोल्स को दिखाता हैं जिसमे टूल बॉक्स द्वारा सिलेक्ट किये गए टूल को कस्टमाइज किया जाता हैं| हम टूल बॉक्स से जो भी टूल सेलेक्ट करते हैं उसकी टूल की प्रोपर्टी आप्शन बार में दिखाई देने लगती हैं जिससे आप उस टूल को आसानी से कण्ट्रोल कर सकते हैं|

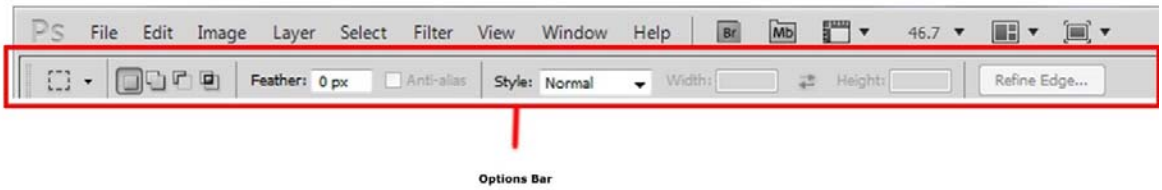

Task bar –

फोटोशोप की विंडो में सबसे नीचे की बार को टास्क बार कहाँ जाता हैं इसमें left side, start button दिखाई देता हैं वह प्रोग्राम दिखाई देते हैं जिन पर कार्य किया जा रहा हैं और right side, icon tray होती हैं जिसमे date, time, volume, network आदि दिखाई देते हैं|

प्रश्न 22 – फोटोशॉप में इमेज को Open, Save और Close कैसे करेगें|

उत्तर – फोटोशॉप में इमेज को खोलना

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में किसी इमेज (Image) को खोलने के लिये Open option का use किया जाता हैं किसी भी फाइल को ओपन करने के लिए निम् तरीके हैं

1. File मेन्यू के Open ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता हैं|
2. File मेन्यू के Browse ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता हैं
3. File मेन्यू के Open As ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता हैं। यह आवश्यक नहीं हैं, कि यह इमेज फाइल फोटोशॉप में ही बनाई गई अनेक Image प्रकार की इमेज फाइल्स को खोला जा सकता हैं।

ComputerHindiNotes.com

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू के Open ऑप्शन का प्रयोग करके या Ctrl 'की' और O 'की' को एक साथ दबाने पर प्रदर्शित होने वाले Open डायलॉग बॉक्स में Look in लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली List में से वांछित फोल्डर को सिलेक्ट किया जा सकता हैं | अब इस फोल्डर में स्थिर फाइल्स (Files) की प्रदर्शित होने वाली लिस्ट में से वांछित इमेज फाइल को सिलेक्ट करने पर उसका File name टैक्स्ट बॉक्स में प्रदर्शित होता हैं और इस फाइल का आकार एवं इमेज का Preview इस डायलॉग बॉक्स में नीचे की ओर प्रदर्शित होता हैं।

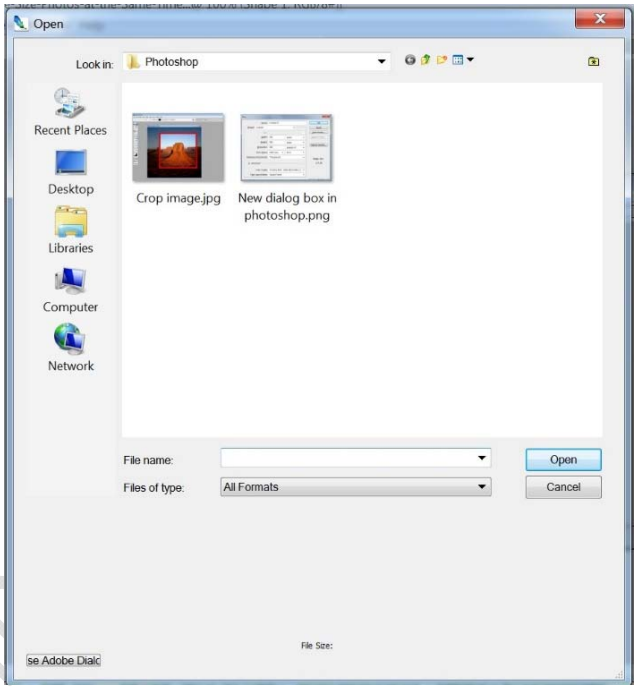

इस डायलॉग बॉक्स में files of type लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली लिस्ट में एडोब फोटोशॉप द्वारा खोली जा सकने वाली फाइल्स के प्रकार प्रदर्शित होते हैं। यदि किसी विशेष प्रकार की फाइल एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) को खोला जाना हैं, तो इस सूची में उस विशेष प्रकार को सिलेक्ट करने पर इस डायलॉग बॉक्स में केवल इसी प्रकार की फाइल्स की ही सूची प्रदर्शित होती हैं। इस सूची के अन्तिम ऑप्शन All Formats को सिलेक्ट करने पर इस डायलॉग बॉक्स में सभी फाइल्स की सूची प्रदर्शित होती हैं, भले ही वे फोटोशॉप में खोली जा सकती हों या नहीं। वांछित फाइल को सिलेक्ट करके कमाण्ड बटन Open पर क्लिक करने पर यह फाइल एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में खुल जाती हैं।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू के Browse ऑप्शन का प्रयोग करने या की-बोर्ड पर Alt, Ctrl तथा O तीनों 'कीज' को एक साथ दबाने पर मॉनीटर स्क्रीन पर Adobe Bridge एप्लीकेशन विंडो प्रदर्शित होती हैं।

फोटोशॉप में इमेज को सेव करना

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में इमेज पर किये गये कार्य को सुरक्षित अर्थात् सेव (Save) करने लिए Save option का use किया जाता हैं इसे प्रयोग करने के लिए File मेन्यू के Save ऑप्शन का प्रयोग किया

जाता हैं। की-बोर्ड पर Ctrl 'की' और S 'की' को एक साथ दबाकर भी इमेज पर किये कार्य को सेव (Save) किया जा सकता हैं।

यदि किसी ऐसी फाइल पर कार्य किया जा रहा हैं, जिसे एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में पहले ही सुरक्षित अर्थात् सेव (Save) किया जा चुका हैं, तो उपरोक्तानुसार इमेज फाइल को सेव (Save) करने पर इसमें किये गये परिवर्तन तुरन्त ही सेव (Save) हो जाते हैं, परन्तु यदि किसी नयी इमेज पर कार्य किया जा रहा हैं, तो इस पर किये गये कार्य को उपरोक्तनुसार सेव (Save) करने पर मॉनीटर स्क्रीन पर Save as डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित होता हैं।

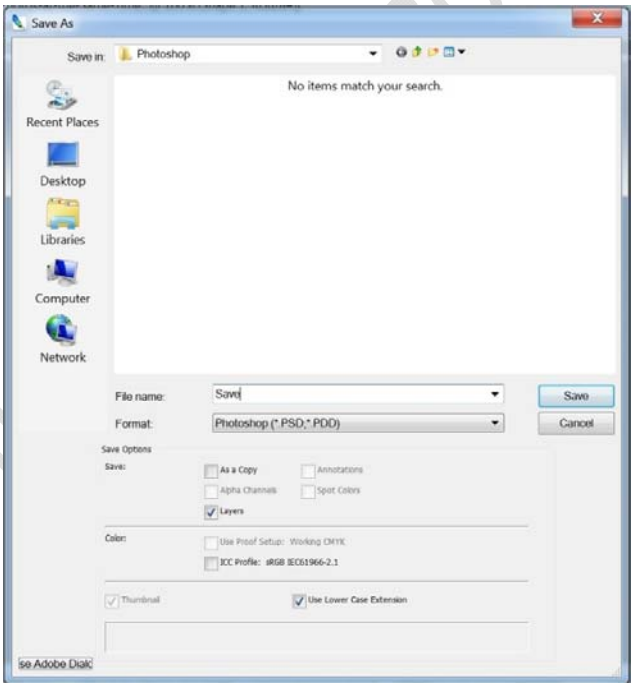

1. इस डायलॉग बॉक्स का प्रयोग वर्तमान में दिखाई जाने वाली इमेज फाइल को किसी अन्य नाम अथवा फॉरमेट में सुरक्षित करने के लिये किया जाता हैं। एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू में स्थित Save As ऑप्शन का प्रयोग करने पर भी मॉनीटर स्क्रीन पर Save As डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित होता हैं।

2. इस डायलॉग बॉक्स में Look In लिस्ट बॉक्स में उस फोल्डर को सिलेक्ट किया जाता है, जिसमें इस इमेज फाइल को सेव (Save) किया जाना हैं। File Name टैक्स्ट बॉक्स में इमेज फाइल का नाम टाइप किया जाता हैं। इस डायलॉग बॉक्स में Format लिस्ट बॉक्स में इस इमेज फाइल का वर्तमान फॉरमेट प्रदर्शित होता हैं, यदि इसे किसी अन्य फॉरमेट में सेव (Save) किया जाना हैं, तो Format लिस्ट बॉक्स को डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली विभिन्न फॉरमेट्स की सूची में से वांछित फॉरमेट को सिलेक्ट करके फाइल का फॉरमेट भी बदला जा सकता हैं।

3. इस डायलॉग बॉक्स में स्थित चैक बॉक्स as a copy को सिलेक्ट करने से वर्तमान इमेज की एक नयी इमेज फाइल, जिसके नाम में वर्तमान इमेज फाइल के नाम के बाद Copy को सिलेक्ट करने से वर्तमान इमेज की एक नयी इमेज फाइल, जिसके नाम में वर्तमान इमेज फाइल के नाम के बाद Copy शब्द जुड़ जाता हैं, के रूप में सेव (Save) हो जाती हैं। यदि इस ऑप्शन का प्रयोग किसी ऐसी इमेज फाइल के लिये किया जा रहा हैं, जिसमें एक से

अधिक लेयर्स का प्रयोग किया गया हैं, तो Photoshop फॉरमेट के अतिरिक्त किसी अन्य फॉरमेट में इस इमेज की प्रति बनाने पर सभी लेयर्स मर्ज होकर एक ही लेयर में परिवर्तित हो जाती हैं।

4. इस डायलॉग बॉक्स में वांछित निर्धारण करने के बाद कमाण्ड बटन Save पर क्लिक करके वर्तमान इमेज फाइल को नये नाम से नये फॉरमेट में सेव (Save) किया जा सकता हैं।

इस विंडो में मेन्यू बार के नीचे स्थित लिस्ट बॉक्स के स्थित डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में से उस फोल्डर को सिलेक्ट किया जाता हैं, जिसमें खोली जाने वाली इमेज फाइल स्थित हैं। अब इस फोल्डर में स्थिर फाइल्स का प्रदर्शन इस विंडो में थम्बनेल्स (Thumbnails) के रूप में होता हैं। इनमें से वांछित फाइल को सिलेक्ट करने पर उस फाइल का प्रिव्यू इस विंडो में Preview पैलेट में इस फाइल के बारे में मेटाडेटा का प्रदर्शन Metadata पैलेट में होता हैं। अब सिलेक्ट की गयी फाइल को एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में खोलने के लिये एडोब ब्रिज (Adobe Bridge) के File मेन्यू के Return to Adobe Photoshop CS2 ऑप्शन को सेलेक्ट करने पर या इस इमेज फाइल पर डबल क्लिक करने पर यह इमेज फाइल फोटोशॉप में खुल जाती हैं।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में पैलेट वैल (Palette Well) से प्रदर्शित होने वाले Go To Bridge पर क्लिक करके भी एडोब ब्रिज (Adobe Bridge) को खोला जा सकता हैं।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू के Open As ऑप्शन का प्रयोग किसी ऐसी फाइल, जो कि सीधे-सीधे फोटोशॉप में नहीं खोली जा सकती हैं, तो फोटोशॉप में खोली जा सकने वाली फाइल्स में परिवर्तित करके खोलने के लिये किया जाता हैं। कभी-कभी कार्य करते समय दुर्घटनावश फाइल्स क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। ऐसी फाइल्स को खोलने के लिये इस ऑप्शन का प्रयोग किया जाता हैं।

प्रश्न 23 - लेयर क्या हैं? लेयर के साथ कौन कौन से काम किये जा सकते हैं|

उत्तर - Adobe Photoshop में लेयर्स एक पारदर्शी पेपर की तरह होती हैं लेयर फोटोशॉप में एक ऑब्जेक्ट को छेड़े बिना दूसरे ऑब्जेक्ट पर कार्य करने की अनुमति प्रदान करता है लेयर एडोब फोटोशॉप में इमेज और ऑब्जेक्ट को व्यवस्थित करने की एक शक्तिशाली पद्धति है|

फोटोशॉप में नई इमेज में केवल एक लेयर होती है इमेज पर लेयर्स को जोड़ा जा सकता है, साथ ही लेयर्स इफेक्ट का प्रयोग भी किया जा सकता है, लेयर्स के क्रम में परिवर्तन भी किया जा सकता है, एक से अधिक लेयर्स का ग्रुप भी बनाया जा सकता है, साथ ही विभिन्न लेयर्स को मर्ज करके एक लेयर में परिवर्तन भी किया जा सकता है| फ़ोटोशॉप में आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली कई प्रकार की लेयर हैं, और वे दो मुख्य श्रेणियों में आती हैं:

ComputerHindiNotes.com

Content Layer: इन लेयर्स में विभिन्न प्रकार की सामग्री होती है, जैसे कि photographs, text, और shapes.

Adjustment layers: ये लेयर्स आपको उनके नीचे की लेयर्स में एडजस्टमेंट लागू करने की अनुमति देती हैं, जैसे saturation या brightness|

लेयर्स का उपयोग करते समय, व्यक्तिगत लेयर्स को चालू करने और बंद करने में मदद मिल सकती है यह देखने के लिए कि वे इमेज को कैसे प्रभावित करते हैं। आप प्रत्येक लेयर नाम के बगल में स्थित नेत्र आइकन पर क्लिक करके ऐसा कर सकते हैं।

लेयर बेसिक (Layer Basic)

अब आप फ़ोटोशॉप में लेयर्स के साथ काम करना शुरू करने के लिए तैयार हैं। आप लेयर पैनल के साथ लेयर्स को देख, बना और सुधार कर सकते हैं। यह आमतौर पर स्क्रीन के निचले-दाएँ कोने में मिलेगा, हालाँकि आप Window Menu से Layer पर जा सकते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह चालू है।

एडजस्टमेंट लेयर बनाने के लिए (How to create an adjustment layer)

लेयर पैनल में, नीचे दी गई लेयर का चयन करें जहाँ आप एडजस्टमेंट लेयर दिखाना चाहते हैं।

लेयर पैनल के नीचे एडजस्टमेंट बटन पर क्लिक करें, फिर वांछित एडजस्टमेंट चुनें।

एडजस्टमेंट लेयर दिखाई देगी, और फिर आप प्रॉपर्टी पैनल में एडजस्टमेंट को अनुकूलित कर सकते हैं। आपके द्वारा किए गए कोई भी परिवर्तन एडजस्टमेंट लेयर के नीचे की प्रत्येक लेयर को प्रभावित करेंगे।

वैकल्पिक रूप से, आप एडजस्टमेंट लेयर बनाने के लिए एडजस्टमेंट पैनल के बटन का उपयोग कर सकते हैं।

खाली लेयर कैसे बनाये (How to Create New Blank Layer)

यदि आप एक नई खाली लेयर बनाना चाहते हैं| तो एक नई लेयर बनाने के लिए, लेयर पैनल के निचले-दाएँ कोने के पास New Layer बटन पर क्लिक करें। लेयर्स पैनल में नई लेयर दिखाई देगी।

ComputerHindiNotes.com

डुप्लीकेट लेयर कैसे बनाये (How to create a duplicate layer)

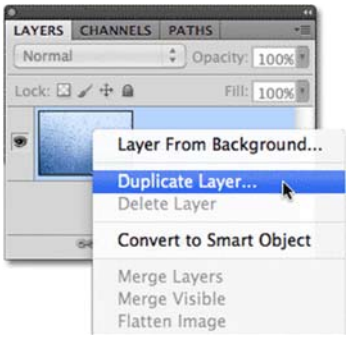

- यदि आप कोई डुप्लीकेट लेयर बनाना चाहते हैं| मूल लेयर में फेरबदल किए बिना अलग-अलग सुधार की कोशिश करने का यह एक आसान तरीका है।
- लेयर को राइट-क्लिक करें, फिर डुप्लिकेट लेयर का चयन करें।
- एक डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा। Ok पर क्लिक करें। डुप्लिकेट लेयर दिखाई देगी।

एक लेयर को हटाने के लिए (How to Delete Layer)

यदि आपको किसी लेयर की जरूरत नहीं है, तो आप इसे हटा भी सकते हैं। ऐसा करने के लिए, बस लेयर का चयन करें और फिर अपने कीबोर्ड पर डिलीट की दबाएं। वैकल्पिक रूप से, आप लेयर पैनल के निचले-दाएं कोने में ट्रैश कैन पर लेयर को क्लिक और ड्रैग कर सकते हैं।

लेयर्स के साथ काम करना (Working with Layers)

आपके डॉक्यूमेंट में लेयर्स के साथ काम करने के कई अलग-अलग तरीके हैं। उदाहरण के लिए, आप विभिन्न लेयर्स को दिखा और छिपा सकते हैं, स्टैकिंग क्रम को बदल सकते हैं, और भी बहुत कुछ।

लेयर्स को दिखाना और छिपाना (How to hide and show layer)

एक लेयर को छिपाने के लिए, वांछित लेयर के बगल में स्थित नेत्र आइकन पर क्लिक करें। लेयर दिखाने के लिए इसे फिर से क्लिक करें। नीचे दी गई इमेज में, आप देख सकते हैं कि हमने टेक्स्ट लेयर को बंद कर दिया है, इसलिए टेक्स्ट अब डॉक्यूमेंट विंडो में दिखाई नहीं देता है:

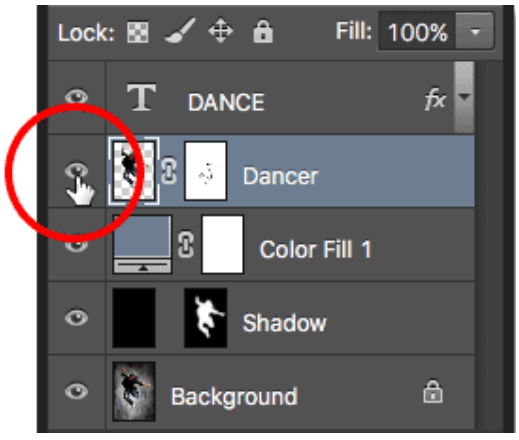

ComputerHindiNotes.com

लेयर्स को पुनः व्यवस्थित कैसे करें (How to reorder layer)

जिस क्रम में लेयर्स रहती हैं वह यह निर्धारित करेगा कि डॉक्यूमेंट कैसा दिखता है। ऐसे समय हो सकते हैं जब आपको स्टैकिंग ऑर्डर को बदलने की आवश्यकता होती है। एक लेयर को फिर से व्यवस्थित करने के लिए, लेयर पर क्लिक करें और लेयर पैनल में इच्छित स्थान पर खींचें।

लेयर में सुधार करना (Editing layers)

कई प्रकार के सुधार के लिए, वांछित लेयर को सुधार करने से पहले चुना जाना चाहिए; अन्यथा, आप गलती से गलत लेयर में सुधार कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप इरेज़र टूल का उपयोग करते हैं, तो यह केवल आपके द्वारा चुनी गई लेयर को प्रभावित करेगा। आपको यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपको सही लेयर का चयन करने के लिए अक्सर लेयर्स पैनल की जाँच करने की आदत डालनी चाहिए।

Editing text layers

यदि आप एक टेक्स्ट लेयर में सुधार करना चाहते हैं, तो आपको लेयर पैनल में लेयर आइकन पर डबल-क्लिक करना होगा। फिर आप टेक्स्ट को बदल सकते हैं, एक अलग फ़ॉन्ट चुन सकते हैं, या टेक्स्ट का आकार और रंग में सुधार कर सकते हैं।

प्रश्न 24 - फोटोशॉप के विभिन्न टूल्स को समझाइए|

उत्तर - एडोब फोटोशॉप पर कार्य करने के लिए विभिन्न प्रकार के टूल्स होते हैं इन टूल्स को जिस जगह पर व्यवस्थित रखा जाता है उसे टूलबॉक्स कहते हैं इन टूल्स की मदद से हम फोटोशॉप में कई प्रकार के कार्य कर सकते हैं जैसे फोटो को सिलेक्ट करना, फोटो को साफ़ करना, क्रॉप करना, कलर चेंज करना, ब्लर करना आदि

SELECTION TOOL –

इस टूल का प्रयोग इमेज को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है इस टूल के द्वारा हम इमेज के किसी भी हिस्से को सिलेक्ट कर सकते हैं यह चार प्रकार के होते हैं

1. Rectangular Marqee tool
2. Elliptical marqee tool
3. Single row tool
4. Single column tool

ComputerHindiNotes.com

Rectangular Marqee tool – Rectangular Marqee tool का प्रयोग इमेज के आयताकार भाग को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है इस टूल पर क्लिक करते ही माउस का पॉइंटर चेंज हो जाता है माउस पॉइंटर को इमेज पर सिलेक्ट किए जाने वाले भाग पर ड्रैग करने से इमेज का आयताकार भाग सिलेक्ट हो जाता है|

Elliptical marqee tool – Elliptical marqee tool का प्रयोग इमेज के अंडाकार भाग को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है

Single row tool – Single row tool का प्रयोग सिंगल रो को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है

Single column tool – Single column tool का प्रयोग सिंगल कॉलम को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है

MOVE TOOL

Move टूल का प्रयोग इमेज मैं सिलेक्ट किए गए हिस्से को Move करने के लिए किया जाता है|

MAGIC BAND TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर प्रयोग किए गए रंगों में से एक समान रंगो के पिक्सेल को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है इस टूल को चुनकर इमेज के उस स्थान पर क्लिक करते हैं जिस स्थान के कलर के पिक्सेल को सिलेक्ट करना है|

CROP TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के सिलेक्ट किए गए भाग को संपूर्ण इमेज के रूप में प्रयोग करने के लिए किया जाता है इस टूल में जिस भाग को सिलेक्ट किया जाता है वह रह जाता है और शेष भाग मिट जाता है|

LASSO TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज को कट करने के लिए किया जाता है परंतु यह टूल इमेज को सही तरीके से कट नहीं कर पाता है यह टूल असमान आकार की आकृति को सिलेक्ट करने के लिए प्रयोग किया जाता है

ComputerHindiNotes.com

POLYGONAL TOOL

इस टूल का प्रयोग भी इमेज को कट करने के लिए किया जाता है परंतु यह टूल इमेज को बहुभुज आकार मैं सिलेक्ट करता है यह टूल lasso tool के समान ही कार्य करता है लेकिन इससे सिलेक्शन आयताकार आकृति में होता है

MAGNETIC TOOL

यह भी एक lasso tool है जिसका प्रयोग इमेज को कट करने के लिए किया जाता है परंतु यह टूल इमेज को सही तरीके से सिलेक्ट करके उसे कट करता हैं | अनियमित आकार सिलेक्ट करने के लिए यह सबसे आसान टूल है इसमें सिलेक्शन करने के लिए अक्षत आकार मैं माउस को घुमाते जाएं यह टूल स्वयं है इमेज के भाग को सिलेक्ट करता जाता है

SLICE TOOL

इस टूल का प्रयोग साधारण तथा वेब पेज में किया जाता है जिसमें एक इमेज के अलग-अलग हिस्से को क्लिक करने पर अलग-अलग काम किये जा सके लेकिन यह एक इमेज की तरह ही दिखती है

SPOT HEALING BRUSH TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर स्थित दाग धब्बों को साफ करने के लिए किया जाता है इस टूल को सिलेक्ट करके माउस पॉइंटर को इमेज के उस स्थान पर क्लिक किया जाता है जहां कोई दाग या धब्बा है यह टूल उस दाग का रंग अपने आप ही बदल देता है

HEALING BRUSH TOOL

यह एक इंटेलिजेंट टूल है इसका प्रयोग इमेज को रिपेयर करने के लिए किया जाता है यह इमेज को टारगेट पॉइंट की तरह रिपेयर करता है

PATCH TOOL

इस टूल का प्रयोग भी इमेज को रिपेयर करने के लिए किया जाता है|

ComputerHindiNotes.com

RED EYE TOOL

इस टूल का प्रयोग कैमरे द्वारा किसी व्यक्ति की फोटो खींचे जाने पर कैमरे में फ्लैश लाइट कैमरे के लेंस के पास होने के कारण व्यक्ति की आंख में लाल रंग का धब्बा बन जाता है जिसे रेट आई कहते हैं इस इफ़ेक्ट को हटाने के लिए रेड आई टूल का प्रयोग किया जाता है

CLONE STAMP TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के किसी भाग को इमेज के किसी अन्य स्थान पर प्रयोग करने के लिए किया जाता है इस टूल को सिलेक्ट करके कीबोर्ड पर ऑल्ट की को दबाकर इमेज के उस भाग पर क्लिक किया जाता है जिस भाग का प्रयोग क्लोन स्टैंप के रूप में किया जाना है

PATTERN STAMP TOOL

इसका प्रयोग इमेज के वांछित भाग पर किसी पैटर्न का प्रयोग करने के लिए किया जाता है प्रयोग किए जाने वाले पैटर्न को पैटर्न लाइब्रेरी से सिलेक्ट किया जा सकता है और अपना नया पैटर्न भी बनाया जा सकता है

ERASER TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के किसी लेयर के किसी विशेष भाग को मिटाने के लिए किया जाता है इस टूल को सिलेक्ट करके इमेज पर क्लिक करने पर इमेज का बैकग्राउंड कलर दिखाई देने लगता है

BACKGROUND ERASER TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज से किसी विशेष कलर को एक साथ सिलेक्ट करके मिटाने के लिए किया जाता है

MAGIC ERASER TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर प्रयोग किए गए रंगों में से समान रंग के पिक्सेल को एक साथ सिलेक्ट करके मिटाने के लिए किया जाता है

BLUR TOOL

इस tool का प्रयोग इमेज को blur अर्थात धुंधला करने के लिए किया जाता है

SHARPEN TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज को शार्प करने के लिए किया जाता है

ComputerHindiNotes.com

SMUDGE TOOL

इस tool का प्रयोग रंगों को समान रुप से सम्मिश्रित करने के लिए किया जाता है

DODGE TOOL

इस tool का प्रयोग इमेज के किसी भी भाग के रंग को हल्का करने के लिए किया जाता है

BURN TOOL

इस tool का प्रयोग इमेज के किसी भी भाग के रंग को गहरा करने के लिए किया जाता है

SPONGE TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के किसी भाग पर कलर saturation को बढ़ाने या कम करने के लिए किया जाता है

BRUSH TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज में फोन राउंड के लिए निर्धारित कलर को भरने के लिए किया जाता है ब्रश ब्रश टूल के आकार और आकृति को बदला भी जा सकता है इस टूल का प्रयोग नई पेंटिंग बनाने के लिए भी किया जाता है

PENCIL TOOL

इस टूल का प्रयोग फोटोशॉप में किसी भी प्रकार के रेखा आकृति बनाने के लिए किया जाता है इस में प्रयोग होने वाली पेंसिल के आकार और आकृति को बदला भी जा सकता है

COLOR REPLACEMENT TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के कलर को किसी दूसरे कलर से रिप्लेस करने के लिए किया जाता है

HISTORY BRUSH TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर कार्य करते समय इमेज में किए गए परिवर्तन को इमेज के किसी विशेष भाग से हटाने के लिए किया जाता है

ART HISTORY BRUSH TOOL

यह टूल हिस्ट्री ब्रश टूल की तरह ही कार्य करता है दोनों में अंतर इतना है कि आर्ट हिस्ट्री ब्रश टूल में विभिन्न ब्रश ऑप्शन होते हैं जिनसे अलग अलग इफेक्ट डाले जा सकते हैं

ComputerHindiNotes.com

GRADIENT TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के चुने हुए भाग में मल्टी कलर के ग्रेडिएंट को भरने के लिए किया जाता है इस टूल को सिलेक्ट करके इमेज के लिए सेट किए गए भाग में माउस पॉइंटर लाकर जिस स्थान से ड्रैग करना प्रारंभ किया जाता है उसे प्रारंभिक बिंदु तथा जिस स्थान पर माउस का बटन छोड़ा जाता है उसे अंतिम बिंदु कहा जाता है

PAINT BUCKET TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर क्लिक किए गए स्थान में एक समान कलर भरने के लिए किया जाता है

DRAWING AND TYPING TOOL

PEN TOOL

इस tool का प्रयोग फोटोशॉप में कोई आकृति बनाने के लिए किया जाता है

HORIZONTAL TYPE TOOL

इस टूल का प्रयोग टेक्स्ट टाइप करने के लिए किया जाता है इसे टाइप टूल भी कहते हैं यह हॉरिजॉन्टल टेक्स्ट टाइप करता है हम टेक्स्ट का कलर बदल भी सकते हैं

VERTICAL TYPE TOOL

इस टूल का प्रयोग टेक्स्ट को वर्टिकल टाइप करने के लिए किया जाता है यह भी एक टाइप टूल है

VERTICAL MASK TOOL

इस टूल का प्रयोग भी वर्टिकल टेक्स्ट टाइप करने के लिए किया जाता है परंतु जो भी टेक्स्ट टाइप होता है उसका आउटलाइन ही प्रदर्शित होता है

HORIZONTAL MASK TOOL

इस टूल का प्रयोग हॉरिजेंटल टेक्स्ट टाइप करने के लिए किया जाता है यह भी टेक्स्ट का आउटलाइन प्रदर्शित करता है

CUSTOM SHAPE TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर विभिन्न प्रकार की आकृति बनाने के लिए किया जाता है

RECTANGLE TOOL

ComputerHindiNotes.com

इस टूल का प्रयोग इमेज पर आयताकार आकृति बनाने तथा उसमें निर्धारित कलर भरने के लिए किया जाता है

ROUNDED RECTANGLE TOOL

इस टूल का प्रयोग गोल होने वाली आयताकार आकृति बनाने तथा उसमें निर्धारित कलर भरने के लिए किया जाता है

ELLIPSE TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर गोल आकृति बनाने के लिए किया जाता है तथा उस में निर्धारित कलर भी भर सकते हैं

POLYGON TOOL

इस टूलका सहयोग इमेज पर बहुभुज आकृति बनाने तथा उस में कलर भरने के लिए किया जाता है

LINE TOOL

इस टूल का प्रयोग निर्धारित कलर की रेखा बनाने के लिए किया जाता है रेखा की मोटाई को ऑप्शन के द्वारा बदला जा सकता है

NOTES TOOL

इस tool का प्रयोग इमेज के साथ एक नोट डालने के लिए किया जाता है इस नोट पर इमेज या इमेज के किसी भाग से संबंधित जानकारी को स्टार्ट किया जा सकता है ताकि इस इमेज पर पुनः कार्य करते समय यह जानकारी प्राप्त हो सके नोट के स्थान पर इमेज पर केवल एक आइटम प्रदर्शित होता है

AUDIO ANNOTATION TOOL

इस टोल का प्रयोग इमेज के साथ नोट के रूप में ऑडियो क्लिप जोड़ने के लिए किया जाता है इसके लिए कंप्यूटर में माइक्रोफोन और साउंड कार्ड होना आवश्यक है

EYEDROPPER TOOL

टूल का प्रयोग इमेज के किसी भाग के कलर को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है इस प्रकार से किया गया कलर फॉर ग्राउंड कलर में सेट हो जाता है

HAND TOOL

ComputerHindiNotes.com

इस टूल का प्रयोग तब किया जाता है जबकि पूरी इमेज फोटो शॉप की इमेज विंडो में प्रदर्शित ना हो रही हो इस tool का प्रयोग करके इमेज को अपने अनुसार खिसकाकर उसे किसी भी भाग को मॉनिटर स्क्रीन पर देखा जा सकता है

ZOOM TOOL

टूल का प्रयोग इमेज विंडो में इमेज को बड़े आकार में देखने के लिए किया जाता है इस टूल को सिलेक्ट करके इमेज के किसी भी भाग पर ब्रेक करने पर इमेज का वह भाग बड़ा हो जाता है

प्रश्न 25 - फोटोशॉप के फ़िल्टर विकल्प को समझाइए|

उत्तर – फोटोशॉप में आप अपनी तस्वीरों को साफ करने के लिए फ़िल्टर का उपयोग कर सकते हैं, आर्ट इफ़ेक्ट लागू कर सकते हैं जो आपकी इमेज को स्केच या इंप्रेशनिस्ट पेंटिंग का रूप दे सकते हैं, या light effect का उपयोग करके unique परिवर्तन कर सकते हैं। Adobe द्वारा प्रदान किए गए फ़िल्टर, Filter menu में दिखाई देते हैं। थर्ड-पार्टी डेवलपर्स द्वारा प्रदान किए गए कुछ फिल्टर प्लग-इन के रूप में उपलब्ध हैं। एक बार इनस्टॉल होने के बाद, ये प्लग-इन फ़िल्टर, फ़िल्टर मेनू के निचले भाग में दिखाई देते हैं।

स्मार्ट फ़िल्टर, स्मार्ट ऑब्जेक्ट्स पर लागू होते हैं, स्मार्ट फिल्टर लेयर पैनल में लेयर effect के रूप में संग्रहीत किए जाते हैं और किसी भी समय पुन: उपयोग किए जा सकते हैं, स्मार्ट ऑब्जेक्ट में निहित मूल इमेज डेटा से काम कर रहे हैं।

फ़िल्टर का उपयोग करने के लिए, Filter Menu से उपयुक्त सबमेनू कमांड चुनें। ये दिशानिर्देश फ़िल्टर चुनने में आपकी सहायता कर सकते हैं:

- फिल्टर एक्टिव, व्यू लेयर या एक चयन पर लागू होते हैं।
- 8-बिट प्रति चैनल इमेजेस के लिए, अधिकांश फ़िल्टर फ़िल्टर गैलरी के माध्यम से संचयी रूप से लागू किए जा सकते हैं। सभी फ़िल्टर व्यक्तिगत रूप से लागू किए जा सकते हैं।
- बिटमैप-मोड या इंडेक्स कलर इमेजेस पर फ़िल्टर लागू नहीं किए जा सकते हैं।
- कुछ फ़िल्टर केवल RGB इमेजेस पर काम करते हैं।
- सभी फ़िल्टर 8 images बिट इमेजेस पर लागू किए जा सकते हैं।
- निम्नलिखित फ़िल्टर 16 images बिट इमेजेस पर लागू किया जा सकता है: Liquify, Vanishing Point, Average Blur, Blur, Blur More, Box Blur, Gaussian Blur, Lens Blur, Motion

ComputerHindiNotes.com

Blur, Radial Blur, Surface Blur, Shape Blur, Lens Correction, Add Noise, Despeckle, Dust & Scratches, Median, Reduce Noise, Fibers, Clouds, Difference Clouds, Lens Flare, Sharpen, Sharpen Edges, Sharpen More, Smart Sharpen, Unsharp Mask, Emboss, Find Edges, Solarize, De-Interlace, NTSC Colors, Custom, High Pass, Maximum, Minimum, and Offset.

- निम्नलिखित फिल्टरों को 32 images बिट इमेजेस पर लागू किया जा सकता है: Average Blur, Box Blur, Gaussian Blur, Motion Blur, Radial Blur, Shape Blur, Surface Blur, Add Noise, Clouds, Lens Flare, Smart Sharpen, Unsharp Mask, De-Interlace, NTSC Colors, Emboss, High Pass, Maximum, Minimum, and Offset.
- कुछ फिल्टर पूरी तरह से रैम में प्रोसेस होते हैं। यदि आपके पास फ़िल्टर effect में सुधार करने के लिए पर्याप्त उपलब्ध RAM नहीं है, तो आपको एक त्रुटि संदेश मिल सकता है।

How to Apply a filter

आप एक्टिव लेयर या स्मार्ट ऑब्जेक्ट पर एक फ़िल्टर लागू कर सकते हैं। स्मार्ट ऑब्जेक्ट पर लगाए गए फ़िल्टर नॉनस्टेस्ट्रक्टिव होते हैं और इन्हें कभी भी रीड किया जा सकता है।

- निम्न में से एक कार्य करें:
    - किसी संपूर्ण लेयर पर फ़िल्टर लागू करने के लिए, सुनिश्चित करें कि लेयर एक्टिव या चयनित है।
    - किसी क्षेत्र के लिए फ़िल्टर लागू करने के लिए, उस क्षेत्र का चयन करें।
    - फ़िल्टर को बिना किसी बाधा के लागू करने के लिए आप बाद में अपनी फ़िल्टर सेटिंग बदल सकते हैं, उस स्मार्ट ऑब्जेक्ट का चयन करें जिसमें वह इमेज सामग्री है जिसे आप फ़िल्टर करना चाहते हैं।
- फ़िल्टर मेनू में सब मेनू से फ़िल्टर चुनें।
- यदि कोई डायलॉग बॉक्स प्रकट नहीं होता है, तो फ़िल्टर effect लागू किया जाता है।
- यदि कोई डायलॉग बॉक्स या फ़िल्टर गैलरी दिखाई देती है, तो मान दर्ज करें या विकल्प चुनें और फिर Ok पर क्लिक करें।

ComputerHindiNotes.com

Filter Gallery overview

फ़िल्टर गैलरी कई स्पेशल इफ़ेक्ट फ़िल्टर का प्रीव्यू प्रदान करती है। आप एक से अधिक फ़िल्टर लागू कर सकते हैं, फ़िल्टर के effect को चालू या बंद कर सकते हैं, फ़िल्टर के लिए विकल्प रीसेट कर सकते हैं और फ़िल्टर को लागू करने के क्रम को बदल सकते हैं। जब आप प्रीव्यू से संतुष्ट हो जाते हैं, तब आप इसे अपनी इमेज पर लागू कर सकते हैं। फ़िल्टर मेनू में सभी फ़िल्टर फ़िल्टर गैलरी में उपलब्ध नहीं हैं।

A. Preview B. Filter category C. Thumbnail of selected filter D. Show/Hide filter thumbnails E. Filters pop-up menu F. Options for selected filter G. List of filter effects to apply or arrange H. Filter effect selected but not applied I. Filter effects applied cumulatively but not selected J. Hidden filter effect

फ़िल्टर गैलरी प्रदर्शित करें (Display the Filter Gallery)

सबसे पहले Filter Menu पर क्लिक करे इसके बाद Filter Gallery चुनें। Filter Category नाम पर क्लिक करने पर उपलब्ध फ़िल्टर प्रभावों के थंबनेल प्रदर्शित होते हैं।

ComputerHindiNotes.com